CORIANDER- PACKAGE OF PRACTICES

Congratulations! You have chosen one of the finest Coriander seeds from the Crystal family. Crystal has solid experience in producing high-quality Coriander seeds. These seeds are the result of extensive research, aimed at developing high-yielding hybrid crops suitable for diverse agricultural climates. Crystal adopts the latest technologies during seed production to ensure that farmers receive seeds of the highest quality. Crystal's Coriander seeds provide excellent germination & better Vigor with tolerance to biotic & abiotic stresses.
Kindly adopt the best farming practices to get outstanding yield. The following general recommendations are provided, so we kindly ask you to read these recommendations before making any decisions.

Coriander Hybrid	**Harini, Multi Cut**	**Roshini**	**Harini, Harini Multicut**									
Duration	40-45 DAS	30-35 DAS	40-45DAS									
Kharif	Yes	Yes	Yes									
Rabi	Yes	Yes	Yes									
Spring	Yes	Yes	Yes									
Source of Irrigation	Ground Water	Ground Water	Ground Water									

Please note according to weather conditions crop growth & maturity may be different

S. No.	Particulars/ operations/Practice	Details of operation. input per acre
1	Suitability of the area/Agro-climatic zone	The crop is grown across all major climatic zones across both Kharif and Rabi, though Rabi is better suitable.
2	Land / Soil	Well drained silt or loamy soils are suited for cultivation. For rainfed cultivation clayey soil with a pH of 6 – 8 is suitable.
3	Season/Sowing time	Cool and comparatively dry, frost free climate. June – July and October - November
4	Seed rate	4-5 kg/acre (Irrigated crop) 8-10 kg/acre (Rainfed crop). The seeds are split open into halves before sowing for more germination percentage.
5	Preparation of Main field and planting	Prepare the main field to a fine tilth. Add FYM 10 t/ha before last ploughing. Form beds and channels (for irrigated crop).Sow the split seeds at a spacing of 20 x 15 cm. The seeds will germinate in about 8-15 days.
6	Spacing	Plant to plant: 20 x 15 cm.
7	Seed treatment before sowing	Seed treatment with Captan (2g/kg)
8	Manures and Fertilizers	Basal FYM 10 t/ha; 10 kg N, 40 kg P and 20 kg K per ha. Top dressing may be done at 10 kg N/ha 30 days after sowing for the irrigated crop only.
9	Irrigation schedule	First irrigation should be given immediately after sowing and the second on the third day and subsequent irrigations at 7-10 days interval.
10	Weeding/ inter-cultivation	Pre-emergence spray of herbicide Fluchloralin 700 ml in 500 lit/ha. Thinning is done 30 days after sowing. Subsequent weeding is done as and when necessary. Leave 2 plants per hill.
11	Micronutrient/growth regulator sprays	
12	Pest and Disease control	Practice crop rotation to prevent disease buildup in the soil. Ensure good field hygiene by removing and destroying infected plant material. Powdery Mildew: 0.1% solution of carbendazim can be sprayed to control powdery mildew.
13	Harvest	For leaves pull out the plants when they are 30-40 days old.
14	Expected yield per acre	Average leaf yield : 6-7t/ha, under ideal conditions
17	Storage	To store coriander fresh for a longer duration, place it in an airtight container with a lightly damp paper towel in the refrigerator. This method helps maintain moisture and freshness for up to a week
18	Don't Do	When cultivating coriander, avoid overwatering, as it can lead to root rot and other fungal issues. Furthermore, using high potassium fertilizers can result in premature flowering, affecting leaf flavour and harvest.
19	Do's	
Note	The above information is a general advisory. For specific recommendations related to particular region, please contact your local State Agriculture Department.	
Precautions	Crop growth and yield can be affected by various factors. Therefore, it is recommended to consult your local agricultural officer for advice. Ensure that only high-quality fertilizers and pesticides are used. Retain the bills for the purchase of seeds, fertilizers, and pesticides.	

धनिया की खेती का तरीका

बधाई हो! आपने क्रिस्टल परिवार के धनिया की बेहतरीन किस्म के बीजों में से एक को चुना है। क्रिस्टल कंपनी को उच्च दर्जे के धनिया के बीजों के उत्पादन का समृद्ध अनुभव है। ये बीज व्यापक शोध के फलस्वरूप तैयार किए गए हैं, ताकि अलग-अलग खेती की परिस्थितियों में अधिक उपज देने वाली हाइब्रिड फसलें विकसित की जा सकें। क्रिस्टल कंपनी बीज निर्माण में आधुनिक तकनीकों का उपयोग करती है, जिससे किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज मिल सकें। क्रिस्टल के धनिया के बीजों में उच्च अंकुरण क्षमता, मजबूत पौध वृद्धि और रोग और पर्यावरणीय तनावों के प्रति अच्छी सहनशीलता प्रदान करते हैं।
बेहतरीन परिणाम प्राप्त करने हेतु खेती के अनुशंसित तरीकों को अपनाएँ। आगे कुछ सामान्य सुझाव दिए जा रहे हैं, इसलिए हम आपसे विनम्रतापूर्वक अनुरोध करते हैं कि फैसला लेने से पहले कृपया इन्हें अच्छी तरह पढ़ लें।

हाइब्रिड धनिया	हरिणी, मल्टी कट	रोशिनी	हरिणी, हरिणी मल्टी कट									
अवधि	40-45 DAS	30-35 DAS	40-45DAS									
खरीफ	हाँ	हाँ	हाँ									
रबी	हाँ	हाँ	हाँ									
वसंत	हाँ	हाँ	हाँ									
सिंचाई का स्रोत	भूजल	भूजल	भूजल									

कृपया ध्यान रखें कि जलवायु की स्थिति के अनुसार फसल वृद्धि और परिपक्व होने का समय अलग-अलग हो सकता है

क्रम सं.	विवरण/ संचालन/तरीका	कार्यप्रणाली का विवरण। प्रति एकड़ लागत
1	क्षेत्र की उपयुक्तता / कृषि-जलवायु क्षेत्र	इस फसल को सभी बड़े जलवायु क्षेत्रों में खरीफ और रबी में उगाया जाता है, परंतु रबी फसल वाला मौसम इसके लिए बेहतर है।
2	भूमि / मिट्टी	अच्छे जल निकासी वाले सिल्ट या दोमट मिट्टी वाले क्षेत्र उपयुक्त होते हैं। वर्षा पर निर्भर खेती के लिए चिकनी मिट्टी (pH 6–8) ठीक होती है।
3	मौसम/बुवाई का समय	शीतल और तुलनात्मक रूप से शुष्क, ओस-रहित वातावरण। जून – जुलाई और अक्टूबर – नवंबर
4	बीज दर	सिंचाई वाली फसल के लिए 4–5 किग्रा/एकड़, वर्षा पर निर्भर फसल के लिए 8–10 किग्रा/एकड़। बीजों की अंकुरण प्रतिशत बढ़ाने हेतु इन्हें बोने से पहले दो हिस्सों में विभाजित करें।
5	मुख्य खेत की तैयारी और रोपाई	मुख्य खेत की जुताई करके मिट्टी को महीन बनाएँ। अंतिम जुताई से पहले प्रति हेक्टेयर 10 टन गोबर की खाद डालें। सिंचाई वाली फसल के लिए बेड और नालियाँ बनाकर बीज को 20 x 15 सेमी की दूरी पर बोना चाहिए। बीज लगभग 8 से 15 दिन में अंकुरित हो जाते हैं।
6	पौधों के बीच दूरी	पौधों के बीच की दूरी: 20 x 15 सेमी
7	बुआई से पहले बीज उपचार	बीजों को बोने से पहले कैप्टन (2 ग्राम प्रति किग्रा) से उपचारित करें
8	जैविक और रासायनिक उर्वरक	शुरुआती खाद के रूप में गोबर की खाद 10 टन/हेक्टेयर और प्रति हेक्टेयर N 10 किग्रा, P 40 किग्रा, K 20 किग्रा डालें। टॉप ड्रेसिंग सिर्फ़ सिंचित फसल में बुवाई के 30 दिन बाद N 10 किग्रा/हेक्टेयर की जा सकती है।
9	सिंचाई कार्यक्रम	बुवाई के तुरंत बाद पहली बार पानी दें, तीसरे दिन दूसरी सिंचाई करें और उसके बाद 7–10 दिन के अंतराल में नियमित सिंचाई करें।
10	निराई/ खेत की बीच-बीच में जुताई	अंकुरण से पहले हर्बिसाइड फ्लुक्लोरालिन (700 मिली/500 लीटर/हेक्टेयर) छिड़कें और बुवाई के 30 दिन बाद पौधों को पतला करें। आगे की निराई आवश्यकतानुसार की जाती है। प्रत्येक गड्ढे में 2 पौधे लगाएँ।
11	पोषक तत्व/विकास नियामक का छिड़काव	
12	कीट-पतंग और रोग नियंत्रण	मिट्टी में रोग लगने से बचने हेतु फसल रोटेशन का पालन करें। खेत में रोग मुक्त वातावरण बनाए रखने के लिए संक्रमित पौधों को निकालकर नष्ट करें। पाउडरी मिल्ड्यू: पाउडरी मिल्ड्यू नियंत्रित करने के लिए कार्बेन्डाज़िम 0.1% के घोल का छिड़काव कर सकते हैं।
13	फसल काटना	जब पौधे 30–40 दिन के हो जाएँ, तो पत्तियों हेतु उन्हें खींच कर निकालें।
14	प्रति एकड़ अपेक्षित उपज	पत्तियों की औसत उपज: आदर्श कृषि परिस्थितियों में 6–7 टन/हेक्टेयर
17	भंडारण	धनिया को ज्यादा समय तक ताजा रखने हेतु इसे रेफ्रिजरेटर में हल्के गीले पेपर टॉवल के साथ एयरटाइट डिब्बे में रखें। इस तरीके का उपयोग करने से लगभग एक सप्ताह तक धनिया की नमी और ताजगी बनी रहती है।
18	क्या न करें	धनिया उगाते समय अत्यधिक सिंचाई न करें, यह जड़ में सड़न और फफूंद रोगों का कारण बन सकता है। अधिक पोटेशियम वाली उर्वरक देने से जल्दी फूल आने लगते हैं, जिससे धनिया की पत्तियों का स्वाद और उसकी कटाई प्रभावित हो सकती है।
19	क्या करें	
नोट	यह जानकारी सिर्फ़ सामान्य जानकारी के लिए है। विशेष क्षेत्र से जुड़ी अनुशंसाओं के लिए कृपया अपने संबंधित राज्य कृषि विभाग से संपर्क करें।	
सावधानियाँ	फसल वृद्धि और उपज पर अलग-अलग तत्वों का प्रभाव पड़ सकता है। अतः सलाह है कि सुझाव के लिए अपने नज़दीकी कृषि अधिकारी से परामर्श करें। यह सुनिश्चित करें कि बेहतर गुणवत्ता के उर्वरक और कीटनाशक ही इस्तेमाल हों। बीज, उर्वरक और कीटनाशक की खरीद के बिल अपने पास रखें।	

ધાણા -ખેતી માટેની ભલામણ કરેલી પદ્ધતિઓ

અભિનંદન! તમે ક્રિસ્ટલ પરિવારમાંથી શ્રેષ્ઠ ધાણાના બીજમાંથી એક પસંદ કર્યું છે. ક્રિસ્ટલને ઉચ્ચ ગુણવત્તાવાળા ધાણાના બીજનું ઉત્પાદન કરવાનો સારો અનુભવ છે. આ બીજ વ્યાપક સંશોધનનું પરિણામ છે, જેનો ઉદ્દેશ્ય વિવિધ કૃષિ આબોહવા માટે યોગ્ય ઉચ્ચ ઉપજ આપતા હાઇબ્રિડ પાક વિકસાવવાનો છે. ખેડૂતોને ઉચ્ચ ગુણવત્તાવાળા બીજ મળે તે સુનિશ્ચિત કરવા માટે ક્રિસ્ટલ બીજ ઉત્પાદન દરમિયાન નવીનતમ તકનીકો અપનાવે છે. ક્રિસ્ટલના ધાણાના બીજ ઉત્તમ અંકુરણ અને વધુ સારી શક્તિ પ્રદાન કરે છે, સાથે જૈવિક અને અજૈવિક તાણ સહન કરે છે.
ઉત્તમ ઉપજ મેળવવા માટે કૃપા કરીને શ્રેષ્ઠ ખેતી પદ્ધતિઓ અપનાવો. નીચે આપેલ સામાન્ય ભલામણો આપવામાં આવી છે, તેથી અમે તમને કોઈપણ નિર્ણય લેતા પહેલા આ ભલામણો વાંચવા વિનંતી કરીએ છીએ.

ધાણા હાઇબ્રિડ	હરિણી, મલ્ટી કટ	રોશિની	હરિણી, હરિણી મલ્ટી કટ									
સમયગાળો	40-45 DAS	30-35 DAS	40-45DAS									
ખરીફ	હા	હા	હા									
રાબી	હા	હા	હા									
વસંત	હા	હા	હા									
સિંચાઈનો સ્ત્રોત	ભૂગર્ભ જળ	ભૂગર્ભ જળ	ભૂગર્ભ જળ									

કૃપા કરીને નોંધ લો કે હવામાન પરિસ્થિતિઓ અનુસાર પાકનો વિકાસ અને પરિપક્વતા અલગ અલગ હોઈ શકે છે.

ક્રમ નં.	વિગતો/કામગીરી/પ્રેક્ટિસ	કામગીરીની વિગતો. પ્રતિ એકર ઇનપુટ
1	વિસ્તાર/કૃષિ-આબોહવા ક્ષેત્રની યોગ્યતા	આ પાક ખરીફ અને રવી બંને પ્રકારના તમામ મુખ્ય આબોહવા વિસ્તારોમાં ઉગાડવામાં આવે છે, જોકે રવી વધુ યોગ્ય છે.
2	જમીન / માટી	સારી રીતે નિતારાયેલી કાંપવાળી અથવા ગોરાડુ જમીન ખેતી માટે યોગ્ય છે. વરસાદ આધારિત ખેતી માટે 6-8 pH ધરાવતી માટી યોગ્ય છે.
3	ઋતુ/વાવણીનો સમય	ઠંડી અને તુલનાત્મક રીતે સૂકી, હિમમુક્ત આબોહવા. જૂન - જુલાઈ અને ઓક્ટોબર - નવેમ્બર
4	બીજ દર	4-5 કિગ્રા/એકર (પિરિક્ટે પાક) 8-10 કિગ્રા/એકર (વરસાદ આધારિત પાક). વધુ અંકુરણ ટકાવારી માટે વાવણી પહેલાં બીજને અડધા ભાગમાં વહેંચવામાં આવે છે.
5	મુખ્ય ખેતરની તૈયારી અને વાવેતર	મુખ્ય ખેતરને સારી રીતે ખેડાણ માટે તૈયાર કરો. છેલ્લી ખેડાણ પહેલાં FYM 10 ટન/હેક્ટર ઉમેરો. પથારી અને ચેનલો બનાવો (પિરિક્ટે પાક માટે). વિભાજીત બીજ 20 x 15 cmના અંતરે વાવો. બીજ લગભગ 8-15 દિવસમાં અંકુરિત થશે.
6	અંતર	છોડથી છોડ: 20 x 15 cm.
7	વાવણી પહેલાં બીજ માવજત	કેપ્ટન (2 ગ્રામ/કિલો) સાથે બીજ માવજત
8	ખાતર અને ખાતરો	બેઝલ FYM 10 ટન/હેક્ટર; 10 kg N, 40 kg P and 20 kg K પ્રતિ હેક્ટર. ફક્ત પિયતવાળા પાક માટે વાવણીના 30 દિવસ પછી 10 કિલો નાઇટ્રોજન/હેક્ટરના દરે ટોપ ડ્રેસિંગ કરી શકાય છે.
9	સિંચાઈ સમયપત્રક	વાવણી પછી તરત જ પહેલું પિયત આપવું જોઈએ અને બીજું પિયત ત્રીજા દિવસે અને ત્યારબાદ 7-10 દિવસના અંતરે આપવું જોઈએ.
10	નીંદણ/આંતર-ખેતી	ઉદભવ પહેલા, હર્બિસાઇડ ફ્લુક્લોરાલિન 700 મિલી 500 લિટર/હેક્ટરમાં છંટકાવ કરો. વાવણી પછી 30 દિવસ પછી પાતળું કરવામાં આવે છે. ત્યારબાદ જરૂર પડ્યે નીંદણ કાઢવામાં આવે છે. દરેક ટેકરી પર 2 છોડ છોડો.
11	સૂક્ષ્મ પોષકતત્ત્વો/વૃદ્ધિ નિયમનકાર સ્પ્રે	
12	જીવાત અને રોગ નિયંત્રણ	જમીનમાં રોગના સંચયને રોકવા માટે પાકની ફેરબદલીનો અભ્યાસ કરો. ચેપગ્રસ્ત છોડની સામગ્રીને દૂર કરીને અને નાશ કરીને ખેતરની સારી સ્વચ્છતાની ખાતરી કરો. પાવડરી ફૂગ: પાવડરી ફૂગના નિયંત્રણ માટે 0.1% કાર્બેન્ડાઝીમના દ્રાવણનો છંટકાવ કરી શકાય છે.
13	લણણી	કારણ કે છોડ 30-40 દિવસના થાય ત્યારે પાંદડા કાઢી નાખવામાં આવે છે.
14	પ્રતિ એકર અપેક્ષિત ઉપજ	સરેરાશ પાન ઉપજ: 6-7 ટન/હેક્ટર, આદર્શ પરિસ્થિતિઓમાં
17	સંગ્રહ	કોથમીરને લાંબા સમય સુધી તાજી રાખવા માટે, તેને હવાચુસ્ત પાત્રમાં થોડું ભીનું કાગળનું ટુવાલ રાખીને રેફ્રિજરેટરમાં મૂકો. આ પદ્ધતિ એક અઠવાડિયા સુધી ભેજ અને તાજગી જાળવવામાં મદદ કરે છે.
18	ના કરો	ધાણાની ખેતી કરતી વખતે, વધુ પડતું પાણી આપવાનું ટાળો, કારણ કે તેનાથી મૂળ સડી શકે છે અને અન્ય ફૂગના રોગો થઈ શકે છે. વધુમાં, ઉચ્ચ પોટેશિયમ ખાતરોનો ઉપયોગ કરવાથી અકાળે ફૂલો આવી શકે છે, જે પાંદડાના સ્વાદ અને પાકને અસર કરે છે.
19	શું કરવું	
નોંધ	ઉપરોક્ત માહિતી એક સામાન્ય સલાહ છે. ચોક્કસ પ્રદેશ સંબંધિત ચોક્કસ ભલામણો માટે, કૃપા કરીને તમારા સ્થાનિક રાજ્ય કૃષિ વિભાગનો સંપર્ક કરો.	
સાવચેતીનાં પગલાં	પાકની વૃદ્ધિ અને ઉપજ વિવિધ પરિબળોથી પ્રભાવિત થઈ શકે છે. તેથી, સલાહ માટે તમારા સ્થાનિક કૃષિ અધિકારીનો સંપર્ક કરવાની ભલામણ કરવામાં આવે છે. ખાતરી કરો કે ફક્ત ઉચ્ચ ગુણવત્તાવાળા ખાતરો અને જંતુનાશકોનો ઉપયોગ થાય છે. બીજ, ખાતર અને જંતુનાશકોની ખરીદીના બિલ સાચવી રાખો.	

CRYSTAL
Inspiring Growth

I&B Seeds
INDUS SEEDS | SEED PLANT SCIENCE

कोथिंबीर - पीक व्यवस्थापन पद्धती

अभिनंदन! तुम्ही क्रिस्टल कुटुंबातील कोथिंबीरीच्या सर्वोत्तम वियाण्यांपैकी एक वियाणे निवडले आहे. क्रिस्टलला उच्च दर्जाचे कोथिंबीरीचे वियाणे तयार करण्याचा चांगला अनुभव आहे. विविध कृषी हवामानासाठी योग्य उच्च-उत्पादन देणारी संकरित पिके विकसित करण्याच्या उद्देशाने केलेल्या व्यापक संशोधनाचे परिणाम म्हणजेच हे वियाणे. शेतकऱ्यांना उच्च दर्जाचे वियाणे मिळावे यासाठी क्रिस्टल नेहमीच वियाणांच्या उत्पादना दरम्यान नवीनतम तंत्रज्ञानाचा अवलंब करते. क्रिस्टलच्या कोथिंबीरीच्या वियाणांमुळे, जैविक आणि अजैविक ताण सहन करण्याच्या शक्तीसह पिके जोमाने उगवतात आणि वाढतात.
उत्कृष्ट उत्पादन मिळविण्यासाठी कृपया सर्वोत्तम शेती पद्धतींचा अवलंब करा. खाली सामान्य शिफारसी दिल्या आहेत, त्यामुळे कोणताही निर्णय घेण्यापूर्वी आम्ही तुम्हाला या शिफारसी वाचण्याची विनंती करतो.

कोथिंबीर हायब्रीड	हरिणी , मल्टी कट	रोशिनी										
कालावधी	40-45 दिवसांनी	30-35 दिवसांनी										
खरीप	होय	होय										
रब्बी	होय	होय										
वसंत ऋतु	होय	होय										
सिंचनाचा स्रोत	भूजल	भूजल										

कृपया नोंद घ्या की, हवामानाच्या परिस्थितीनुसार पिकाची वाढ आणि परिपक्वता वेगवेगळी असू शकते.

अनु. क्र.	तपशील/कामकाज/प्रत्यक्ष कृती	कार्याचे तपशील. प्रति एकर उत्पादन
1	क्षेत्राची योग्यता/ कृषी-हवामान क्षेत्र	हे पीक खरीप आणि रब्बी दोन्ही हंगामातील सर्व प्रमुख हवामान क्षेत्रात घेतले जाते, परंतु रब्बी हंगाम अधिक योग्य आहे.
2	जमीन/माती	चांगला निचरा होणारा गाळ किंवा चिकणमाती माती लागवडीसाठी योग्य आहे. पावसाळी लागवडीसाठी 6 – 8 pH असलेली चिकणमाती माती योग्य आहे.
3	हंगाम/पेरणीचा वेळ	थंड आणि तुलनेने कोरडे, कडाक्याची थंडी नसणारे हवामान. जून - जुलै आणि ऑक्टोबर - नोव्हेंबर
4	वियाण्याचा दर	4-5 किलो/एकर (सिंचित पीक) 8-10 किलो/एकर (पावसाळी पीक). पेरणीपूर्वी वियाणे अर्ध्या भागात विभागले जातात जेणेकरून अंकुरण्याची क्षमता जास्त असेल.
5	मुख्य शेताची तयारी आणि लागवड	मुख्य शेत सखोल मशागतीसाठी तयार करा. शेवटच्या नांगरणीपूर्वी प्रति हेक्टर 10 टन शेणखत घाला. बागायती पिकांसाठी (सिंचित पिकांसाठी) वाफे आणि कालवे तयार करा. 20 x 15 सेमी अंतरावर वियाणे विभाजित करा. वियाणे सुमारे 8-15 दिवसांत अंकुरतील.
6	अंतर	प्रत्येक रोपांमधील अंतर: 20 x 15 सेमी.
7	पेरणीपूर्वी वियाणांवर प्रक्रिया	कैप्टन (2 ग्रॅम/किलो) ने बीजप्रक्रिया
8	सेंद्रिय पदार्थ आणि खते	मूलभूत शेणखत 10 टन/हेक्टर; 10 किलो नत्र, 40 किलो स्फुरद आणि 20 किलो पालाश प्रति हेक्टर. फक्त बागायती पिकासाठी पेरणीनंतर 30 दिवसांनी 10 किलो नत्र/हेक्टर या प्रमाणात टॉप ड्रेसिंग करता येते.
9	पेरणीपूर्वी वियाणे प्रक्रिया	पहिले पाणी पेरणीनंतर लगेच आणि दुसरे पाणी तिसऱ्या दिवशी आणि त्यानंतरचे पाणी 7-10 दिवसांच्या अंतराने द्यावे.
10	खुरपणी/आंतरमशागत	उगवण्यापूर्वी फवारणी फ्लुक्लोरालिन 700 मिली 500 लिटर/हेक्टरमध्ये. पेरणीनंतर 30 दिवसांनी पातळीकरण केले जाते. त्यानंतरची खुरपणी आवश्यकतेनुसार केली जाते. प्रत्येक सरीवर 2 रोपे टोचा.
11	सूक्ष्म पोषक घटक/वाढ नियामक फवारण्या	
12	कीटक आणि रोग नियंत्रण	जमिनीत रोगांचे प्रमाण वाढू नये म्हणून पीक फेरपालट करा. संक्रमित वनस्पती काढून टाकून आणि नष्ट करून शेतातील स्वच्छता सुनिश्चित करा. भुरी बुरशी: पावडर बुरशी नियंत्रित करण्यासाठी कार्बेन्डाझिमचे 0.1% द्रावण फवारले जाऊ शकते.
13	कापणी	रोप 30-40 दिवसांची झाल्यावर पाने काढा.
14	प्रति एकर अपेक्षित उत्पादन	सरासरी पानांचे उत्पादन: आदर्श परिस्थितीत प्रति हेक्टर 6-7 टन
17	साठवणूक	कोथिंबीर जास्त काळ ताजी ठेवण्यासाठी, ती हवाबंद डब्यात आणि ओल्या पेपर टॉवेलमध्ये गुंडाळून रेफ्रिजरेटरमध्ये ठेवा. या पद्धतीमुळे एका आठवड्यापर्यंत ओलावा आणि ताजेपणा टिकवून ठेवण्यास मदत होते
18	करू नका	कोथिंबीरची लागवड करताना, जास्त पाणी देणे टाळा, कारण त्यामुळे मुळकुज आणि इतर बुरशीजन्य समस्या उद्भवू शकतात. शिवाय, जास्त पोटॅशियम खताचा वापर केल्याने अकाली फुले येऊ शकतात, ज्यामुळे पानांचा स्वाद आणि कापणीवर परिणाम होऊ शकतो.
19	करा	
नोंद	वरील माहिती मधून सामान्य सल्ले दिले आहेत. विशिष्ट प्रदेशाशी संबंधित विशिष्ट शिफारसींसाठी कृपया तुमच्या स्थानिक राज्य कृषी विभागाशी संपर्क साधा.	
घेण्याची काळजी	पिकांच्या वाढीवर आणि उत्पन्नावर विविध घटक परिणाम करू शकतात. म्हणून, तुमच्या स्थानिक कृषी अधिकाऱ्यांचा सल्ला घेण्याची शिफारस केली जाते. केवळ उच्च दर्जाची खते आणि कीटकनाशके वापरली जात आहेत याची खात्री करा. वियाणे, खते आणि कीटकनाशके खरेदी करताना बिल बाळगा.	

CRYSTAL
Inspiring Growth

I&B Seeds
INDUS SEEDS

ಕೊತ್ತಂಬರಿ - ಕೃಷಿ ಪದ್ಧತಿಗಳು

ಅಭಿನಂದನೆಗಳು! ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್ ಕುಟುಂಬದ ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಕೊತ್ತಂಬರಿ ಬೀಜಗಳನ್ನು ನೀವು ಆರಿಸಿದ್ದೀರಿ. ಉತ್ತಮ ಗುಣಮಟ್ಟದ ಕೊತ್ತಂಬರಿ ಬೀಜಗಳನ್ನು ಉತ್ಪಾದಿಸುವಲ್ಲಿ ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್ ಸಂಸ್ಥೆಯು ಗಣನೀಯ ಅನುಭವವನ್ನು ಹೊಂದಿದೆ. ಈ ಬೀಜಗಳು ವ್ಯಾಪಕವಾದ ಸಂಶೋಧನೆಯ ಫಲಿತಾಂಶವಾಗಿದ್ದು, ವಿವಿಧ ಕೃಷಿ ಹವಾಮಾನಗಳಿಗೆ ಸೂಕ್ತವಾದ ಹೆಚ್ಚಿನ ಇಳುವರಿ ನೀಡುವ ಹೈಬ್ರಿಡ್ ಬೆಳೆಗಳನ್ನು ಅಭಿವೃದ್ಧಿಪಡಿಸುವ ಗುರಿಯನ್ನು ಹೊಂದಿವೆ. ರೈತರಿಗೆ ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಗುಣಮಟ್ಟದ ಬೀಜಗಳು ದೊರೆಯುವುದನ್ನು ಖಾತ್ರಿಪಡಿಸಲು ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್ ಬೀಜ ಉತ್ಪಾದನೆಯ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ಇತ್ತೀಚಿನ ತಂತ್ರಜ್ಞಾನಗಳನ್ನು ಅಳವಡಿಸಿಕೊಂಡಿದೆ. ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್‌ನ ಕೊತ್ತಂಬರಿ ಬೀಜಗಳು ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಮೊಳಕೆಯೊಡೆಯುವಿಕೆಯನ್ನು ನೀಡುತ್ತವೆ ಮತ್ತು ಜೈವಿಕ ಹಾಗೂ ಅಜೈವಿಕ ಒತ್ತಡಗಳನ್ನು ತಡೆದುಕೊಳ್ಳುವ ಸಾಮರ್ಥ್ಯದೊಂದಿಗೆ ಉತ್ತಮ ಶಕ್ತಿಯನ್ನು ಹೊಂದಿರುತ್ತವೆ.
ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಇಳುವರಿ ಪಡೆಯಲು ದಯವಿಟ್ಟು ಉತ್ತಮ ಕೃಷಿ ಪದ್ಧತಿಗಳನ್ನು ಅಳವಡಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ. ಈ ಕೆಳಗಿನ ಸಾಮಾನ್ಯ ಶಿಫಾರಸುಗಳನ್ನು ಒದಗಿಸಲಾಗಿದೆ, ಅದ್ದರಿಂದ ಯಾವುದೇ ನಿರ್ಧಾರಗಳನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳುವ ಮೊದಲು ಈ ಶಿಫಾರಸುಗಳನ್ನು ಓದಲು ದಯವಿಟ್ಟು ಕೇಳಿಕೊಳ್ಳುತ್ತೇವೆ.

ಹೈಬ್ರಿಡ್ ಕೊತ್ತಂಬರಿ	ಹರಿಣಿ, ಮಲ್ಚಿ ಕಟ್	ರೋಹಿನಿ	ಹರಿಣಿ, ಹರಿಣಿ ಮಲ್ಚಿ ಕಟ್									
ಅವಧಿ	40-45 ದಿನಗಳು	30-35 ದಿನಗಳು	40-45ದಿನಗಳು									
ಮುಂಗಾರು	ಹೌದು	ಹೌದು	ಹೌದು									
ಹಿಂಗಾರು	ಹೌದು	ಹೌದು	ಹೌದು									
ವಸಂತ	ಹೌದು	ಹೌದು	ಹೌದು									
ನೀರಾವರಿ ಪದ್ಧತಿ	ಅಂತರ್ಜಲ	ಅಂತರ್ಜಲ	ಅಂತರ್ಜಲ									

ದಯವಿಟ್ಟು ಗಮನಿಸಿ: ಹವಾಮಾನ ಪರಿಸ್ಥಿತಿಗಳ ಪ್ರಕಾರ ಬೆಳೆಯ ಬೆಳವಣಿಗೆ ಮತ್ತು ಪಕ್ವತೆ ವಿಭಿನ್ನವಾಗಿರಬಹುದು

ಕ್ರಮ ಸಂಖ್ಯೆ.	ವಿವರಗಳು / ಕಾರ್ಯಾಚರಣೆಗಳು /ಪದ್ಧತಿ	ಕಾರ್ಯಾಚರಣೆಯ ವಿವರಗಳು / ಪ್ರತಿ ಎಕರೆಗೆ ಒಳಹರಿವು
1	ಪ್ರದೇಶದ ಸೂಕ್ತತೆ/ ಕೃಷಿ-ಹವಾಮಾನ ವಲಯ	ಖಾರಿಫ್ ಮತ್ತು ರಾಬಿ ಎರಡೂ ಪ್ರಮುಖ ಹವಾಮಾನ ವಲಯಗಳಲ್ಲಿ ಈ ಬೆಳೆಯನ್ನು ಬೆಳೆಯಲಾಗುತ್ತದೆ, ಆದರೂ ರಾಬಿ ಅವಧಿಯು ಹೆಚ್ಚು ಸೂಕ್ತವಾಗಿದೆ.
2	ಭೂಮಿ / ಮಣ್ಣು	ಉತ್ತಮ ನೀರು ಬಸಿದು ಹೋಗುವ ಮೆಕ್ಕಲು ಮಣ್ಣು ಅಥವಾ ಗೋಡು ಮಣ್ಣುಗಳು ಕೃಷಿಗೆ ಸೂಕ್ತವಾಗಿವೆ. ಮಳೆಯಾಶ್ರಿತ ಬೇಸಾಯಕ್ಕೆ 6 ರಿಂದ 8 ರ pH ಇರುವ ಜೇಡಿ ಮಣ್ಣು ಸೂಕ್ತ.
3	ಕಾಲ/ಬಿತ್ನುವ ಸಮಯ	ತಂಪಾದ ಮತ್ತು ತುಲನಾತ್ಮಕವಾಗಿ ಒಣ, ಹಿಮರಹಿತ ವಾತಾವರಣವು ಉತ್ತಮ. ಜೂನ್ – ಜುಲೈ ಮತ್ತು ಅಕ್ಟೋಬರ್ - ನವೆಂಬರ್
4	ಬೀಜದ ಪ್ರಮಾಣ	ನೀರಾವರಿ ಬೆಳೆಗೆ 4-5 ಕೆಜಿ/ಎಕರೆ ಮತ್ತು ಮಳೆಯಾಶ್ರಿತ ಬೆಳೆಗೆ 8-10 ಕೆಜಿ/ಎಕರೆ. ಹೆಚ್ಚಿನ ಮೊಳಕೆಯೊಡೆಯುವಿಕೆಗಾಗಿ, ಬಿತ್ನುವ ಮೊದಲು ಬೀಜಗಳನ್ನು ಅರ್ಧಕ್ಕೆ ಒಡೆದು ಸಿದ್ಧಪಡಿಸಬೇಕು.
5	ಮುಖ್ಯ ಹೊಲವನ್ನು ತಯಾರು ಮಾಡುವುದು ಮತ್ತು ನಾಟಿ	ಮುಖ್ಯ ಹೊಲವನ್ನು ನುಣುಪಾದ ಹದಕ್ಕೆ ಸಿದ್ಧಪಡಿಸಿ. ಕೊನೆಯ ಉಳುಮೆ ಮಾಡುವ ಮೊದಲು ಪ್ರತಿ ಹೆಕ್ಟೇರ್‌ಗೆ 10 ಟನ್ FYM ಸೇರಿಸಿ. ಪಾತಿಗಳನ್ನು ಮತ್ತು ಕಾಲುವೆಗಳನ್ನು (ನೀರಾವರಿ ಬೆಳೆಗಾಗಿ) ತಯಾರಿಸಿ. ಒಡೆದ ಬೀಜಗಳನ್ನು 20 x 15 ಸೆಂ.ಮೀ ಅಂತರದಲ್ಲಿ ಬಿತ್ನನೆ ಮಾಡಿ. ಬೀಜಗಳು ಸುಮಾರು 8-15 ದಿನಗಳಲ್ಲಿ ಮೊಳಕೆಯೊಡೆಯುತ್ತವೆ.
6	ಅಂತರ	ಸಸಿಯಿಂದ ಸಸಿಗೆ ಅಂತರ: 20 x 15 ಸೆಂ.ಮೀ.
7	ಬಿತ್ನನೆಯ ಮೊದಲು ಬೀಜ ಸಂಸ್ಕರಣೆ	ಕ್ಯಾಪ್ಟಾನ್ (2 ಗ್ರಾಂ/ಕೆಜಿ) ಬಳಸಿ ಬೀಜೋಪಚಾರ ಮಾಡಿ
8	ಗೊಬ್ಬರ ಮತ್ತು ರಸಗೊಬ್ಬರಗಳು	ಬಿಡಕ್ಕೆ ಗೊಬ್ಬರ, ಪ್ರತಿ ಹೆಕ್ಟೇರ್‌ಗೆ 10 ಟನ್ FYM; 10 ಕೆಜಿ N, 40 ಕೆಜಿ P ಮತ್ತು 20 ಕೆಜಿ K ಒದಗಿಸಿ. ನೀರಾವರಿ ಬೆಳೆಗೆ ಮಾತ್ರ, ಬಿತ್ತಿದ 30 ದಿನಗಳ ನಂತರ ಪ್ರತಿ ಹೆಕ್ಟೇರ್‌ಗೆ 10 ಕೆಜಿ ಸಾರಜನಕವನ್ನು ಮೇಲುಗೊಬ್ಬರವಾಗಿ ನೀಡಿ.
9	ನೀರಾವರಿ ವೇಳಾಪಟ್ಟಿ	ಮೊದಲ ನೀರಾವರಿಯನ್ನು ಬಿತ್ತಿದ ತಕ್ಷಣ, ಎರಡನೆಯದನ್ನು ಮೂರನೇ ದಿನ ಮತ್ತು ನಂತರದ ನೀರಾವರಿಗಳನ್ನು 7-10 ದಿನಗಳ ಅಂತರದಲ್ಲಿ ನೀಡಬೇಕು.
10	ಕಳೆ ತೆಗೆಯುವಿಕೆ/ ಅಂತರ-ಬೇಸಾಯ	ಮೊಳಕೆಗೂ ಮುನ್ನ ಕಳೆನಾಶಕವಾದ ಫ್ಲುಕ್ಲೋರಾಲಿನ್ ಅನ್ನು 700 ಮಿ.ಲೀ ಪ್ರಮಾಣದಲ್ಲಿ 500 ಲೀಟರ್ ನೀರಿಗೆ ಬೆರೆಸಿ ಪ್ರತಿ ಹೆಕ್ಟೇರ್‌ಗೆ ಸಿಂಪಡಿಸಬೇಕು. ಬಿತ್ತಿದ 30 ದಿನಗಳ ನಂತರ ಸಸಿಗಳ ತೆರವು ಮಾಡಬೇಕು. ನಂತರದ ಕಳೆ ತೆಗೆಯುವಿಕೆಯನ್ನು ಅಗತ್ಯವಿದ್ದಾಗಲೆಲ್ಲಾ ಮಾಡಬೇಕು. ಪ್ರತಿ ಗುಡ್ಡೆಗೆ 2 ಗಿಡಗಳನ್ನು ಬಿಡಬೇಕು.
11	ಸೂಕ್ಷ್ಮ ಪೋಷಕಾಂಶಗಳು/ಬೆಳವಣಿಗೆ ನಿಯಂತ್ರಕ ಸಿಂಪಡಣೆಗಳು	
12	ಕೀಟ ಮತ್ತು ರೋಗ ನಿಯಂತ್ರಣ	ಮಣ್ಣಿನಲ್ಲಿ ರೋಗಗಳ ಸಂಚಿಯವನ್ನು ತಡೆಗಟ್ಟಲು ಬೆಳೆ ಸರದಿ ಬದಲಾವಣೆಯನ್ನು ಅಳವಡಿಸಬೇಕು. ಸೋಂಕಿತ ಸಸ್ಯ ವಸ್ತುಗಳನ್ನು ತೆಗೆದು ನಾಶಪಡಿಸುವ ಮೂಲಕ ಉತ್ತಮ ಹೊಲ ನೈರ್ಮಲ್ಯವನ್ನು ಖಚಿತಪಡಿಸಿಕೊಳ್ಳಬೇಕು. ಪುಡಿಗೊಬ್ಬರ ರೋಗ: ಪುಡಿಗೊಬ್ಬರ ರೋಗವನ್ನು ನಿಯಂತ್ರಿಸಲು ಕಾರ್ಬೆಂಡಜಿಮ್‌ನ 0.1% ದ್ರಾವಣವನ್ನು ಸಿಂಪಡಿಸಬಹುದು.
13	ಕೊಯ್ಲು	ಎಲೆಗಳಿಗಾಗಿ ಗಿಡಗಳು 30-40 ದಿನಗಳಾದಾಗ ಅವುಗಳನ್ನು ಕಿತ್ತುಹಾಕಬೇಕು.
14	ಪ್ರತಿ ಎಕರೆಗೆ ನಿರೀಕ್ಷಿತ ಇಳುವರಿ	ಸರಾಸರಿ ಎಲೆ ಇಳುವರಿ: 6-7 ಟನ್/ಹೆಕ್ಟೇರ್, ಸೂಕ್ತ ಪರಿಸ್ಥಿತಿಗಳಲ್ಲಿ
17	ರೇಬಿರಣೆ	ಕೊತ್ತಂಬರಿಯನ್ನು ಹೆಚ್ಚು ಕಾಲ ತಾಜಾವಾಗಿ ಸಂಗ್ರಹಿಸಲು, ಅದನ್ನು ಸ್ವಲ್ಪ ತೇವವಾದ ಕಾಗದದ ಟವೆಲ್‌ನೊಂದಿಗೆ ಗಾಳಿಯಾಡದ ಡಬ್ಬದಲ್ಲಿ ಹಾಕಿ ರೆಫ್ರಿಜರೇಟರ್‌ನಲ್ಲಿ ಇರಿಸಬೇಕು. ಈ ವಿಧಾನವು ಒಂದು ವಾರದವರೆಗೆ ತೇವ ಮತ್ತು ತಾಜಾತನವನ್ನು ಕಾಪಾಡಿಕೊಳ್ಳಲು ಸಹಾಯ ಮಾಡುತ್ತದೆ
18	ಮಾಡಬೇಡಿ	ಕೊತ್ತಂಬರಿ ಬೆಳೆಸುವಾಗ, ಅತಿಯಾಗಿ ನೀರು ಹಾಕುವುದನ್ನು ತಪ್ಪಿಸಬೇಕು, ಏಕೆಂದರೆ ಇದು ಬೇರು ಕೊಳೆತ ಮತ್ತು ಇತರ ಶಿಲೀಂಧ್ರ ಸಮಸ್ಯೆಗಳಿಗೆ ಕಾರಣವಾಗಬಹುದು. ಇದಲ್ಲದೆ, ಹೆಚ್ಚಿನ ಪೊಟ್ಯಾಶಿಯಂ ಗೊಬ್ಬರಗಳನ್ನು ಬಳಸುವುದರಿಂದ ಅಕಾಲಿಕ ಹೂಬಿಡುವಿಕೆ ಉಂಟಾಗಬಹುದು, ಇದು ಎಲೆಯ ರುಚಿ ಮತ್ತು ಕಟಾವಿನ ಮೇಲೆ ಪರಿಣಾಮ ಬೀರುತ್ತದೆ.
19	ಮಾಡಬೇಕಾದವು	

ಸೂಚನೆ	ಮೇಲಿನ ಮಾಹಿತಿಯು ಸಾಮಾನ್ಯ ಸಲಹೆಯಾಗಿದೆ. ನಿರ್ದಿಷ್ಟ ಪ್ರದೇಶಕ್ಕೆ ಸಂಬಂಧಿಸಿದ ವಿಶೇಷ ಶಿಫಾರಸುಗಳಿಗಾಗಿ, ದಯವಿಟ್ಟು ನಿಮ್ಮ ಸ್ಥಳೀಯ ರಾಜ್ಯ ಕೃಷಿ ಇಲಾಖೆಯನ್ನು ಸಂಪರ್ಕಿಸಿ.
ಎಚ್ಚರಿಕೆಗಳು	ಬೆಳೆಯ ಬೆಳವಣಿಗೆ ಮತ್ತು ಇಳುವರಿಯು ವಿವಿಧ ಅಂಶಗಳಿಂದ ಪ್ರಭಾವಿತವಾಗಬಹುದು. ಆದ್ದರಿಂದ, ಸಲಹೆಗಾಗಿ ನಿಮ್ಮ ಸ್ಥಳೀಯ ಕೃಷಿ ಅಧಿಕಾರಿಯನ್ನು ಸಂಪರ್ಕಿಸಲು ಶಿಫಾರಸು ಮಾಡಲಾಗುತ್ತದೆ. ಉತ್ತಮ ಗುಣಮಟ್ಟದ ರಸಗೊಬ್ಬರಗಳು ಮತ್ತು ಕೀಟನಾಶಕಗಳನ್ನು ಮಾತ್ರ ಬಳಸಲಾಗಿದೆ ಎಂದು ಖಚಿತಪಡಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ. ಬೀಜಗಳು, ರಸಗೊಬ್ಬರಗಳು ಮತ್ತು ಕೀಟನಾಶಕಗಳ ಖರೀದಿಯ ಬಿಲ್‌ಗಳನ್ನು ಉಳಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ.

కొత్తిమీరలో - పాటించవలసిన ఆచరణల పాకేజి

శుభాకాంక్షలు! క్రిష్ణల్ కుటుంబము యొక్క అత్యంత ఉత్తమమైన కొత్తిమీర విత్తనాల్లో ఒకదానిని మీరు ఎంచుకున్నారు. ఉత్తమ-నాణ్యత కలిగిన కొత్తిమీర విత్తనాలను ఉత్పత్తి చేయడములో క్రిష్ణల్ కి చాలా అనుభవము వుంది. ఈ విత్తనాలు విస్తారముగా చేసిన పరిశోధన యొక్క ఫలితము, వీటిని వివిధ వ్యవసాయ వాతావరణాలకి అనుకూలముగా అధిక-దిగుబడి ఇవ్వడమనే ఉద్దేశ్యముతో రూపొందించడము జరిగినది. రైతులకు అత్యధిక నాణ్యత కలిగిన విత్తనాలను అందించడానికి విత్తనాలను ఉత్పత్తి చేసే సమయములో క్రిష్ణల్ అత్యాధునిక టెక్నాలజీలను పాటిస్తుంది. క్రిష్ణల్ కొత్తిమీర విత్తనాలు బయోటిక్ & ఏబయోటిక్ వత్తిడికి తట్టుకునే సామర్థ్యముతో అద్భుతమైన మొలకెత్తే తత్వాలను & మెరుగైన బలమును కలిగివుంటాయి.
అద్భుతమైన దిగుబడి కొరకు దయచేసి ఉత్తమమైన వ్యవసాయ ఆచరణలను పాయించండి. క్రింద సాధారణ సూచనలు ఇవ్వబడ్డాయి, కాబట్టి ఏవైనా నిర్ణయాలు తీసుకునే ముందు ఈ సూచనలను చదవాలని మేము మిమ్మల్ని అభ్యర్థిస్తున్నాము.

హైబ్రిడ్ కొత్తిమీర	హరిణి , మల్టి కట్	రోహిణి	హరిణి , మల్టి కట్									
కాలము పరిమితి	40-45 DAS	30-35 DAS	40-45 DAS									
ఖరీఫ్	అవును	అవును	అవును									
రబీ	అవును	అవును	అవును									
వసంత కాలము	అవును	అవును	అవును									
నీటి పారుదల వనరు	భూగర్భ జలము	భూగర్భ జలము	భూగర్భ జలము									

దయచేసి గమనించండి వాతావరణ పరిస్థితుల ఆధారముగా పంట ఎదుగుదల & పక్వము కాలము మారవచ్చు

క్ర. సం.	వివరాలు/ఆపరేషన్లు/ఆచరణలు	ఆపరేషన్ వివరాలు. ఎకరానికి ఇన్పుట్
1	ప్రాంతము యొక్క అనుకూలత/వ్యవసాయ-వాతావరణ జోన్	ఈ పంట అన్ని ప్రధాన వాతావరణ జోనులలో ఖరీఫ్ మరియు రబీ రెండింటిలో పండిస్తారు, అయితే రబీ దీనికి మెరుగుగా అనుకూలము.
2	భూమి/మట్టి	బాగా నీరు ఇంకే రేణువుల మట్టి లేదా లోమీ మట్టి దీని కల్టివేషన్ కి అనుకూలము. వాన ఆధారిత కల్టివేషన్ కి బంక మట్టి నేల pH 6 – 8 అనుకూలము.
3	సీజన్/నాటే సమయము	చల్లని మరియు సాధారణముగా పొడిగా, మంచు లేని వాతావరణము. జూన్-జులై మరియు అక్టోబర్-నవంబర్
4	విత్తనము రేట్	4-5 కిలోలు/ఎకరానికి (నీటి పారుదల పంట) 8-10 కిలో/ఎకరానికి (వాన ఆధారిత పంట). బాగా ఎక్కువ శాతములో మొలకలు ఏర్పడడానికి విత్తనాలను సగానికి చీల్చి నాటాలి.
5	ప్రధానమైన పొలమును తయారు చేయడము మరియు నాటడము	ప్రధానమైన పొలమును మెరుగుగా తయారు చేయండి. చివరి దుక్కి ముందు హెక్టారు/ 10 టన్నుల ఎఫ్వైఎం (FYM) వేయండి. బెడ్లు మరియు ఛానెళ్ళు ఏర్పాటు చెయ్యండి (నీరు పెట్టే పంటకి). చీల్చిన విత్తనాలను 20 x 15 cm దూరములో నాటండి. 8-15 రోజులలో విత్తనాలు మొలకలు వస్తాయి.
6	ఖాళీ ఇవ్వడము	మొక్క నుంచి మొక్క: 20 x 15 cm.
7	విత్తే ముందు విత్తనమును శుద్ధి చెయడము	విత్తనాలను కాప్షాన్ (కిలో/2 గ్రాములు) లెక్కన శుద్ధి చెయండి
8	ఎరువులు మరియు ఫర్టిలైజర్లు	బేసల్ ఎఫ్వైఎం 10 టన్నులు/హెక్టారు; 10 కిలో N, 40 కిలో P మరియు 20 కిలో K హెక్టారుకి. నాటిన 30 రోజులకి 10 కిలోల N/హెక్టారు లెక్కన టాప్ డ్రెస్సింగ్ చేయవచ్చు ఇది నీరు పెట్టే పంటకి మాత్రమే చేయాలి.
9	నీటి పారుదల షెడ్యూల్	నాటిన వెంటనే మొదటి నీటి పారుదలను పెట్టాలి మరియు రెండవది మూడవ రోజున మరియు తదుపరి నీటి పారుదలలు 7-10 రోజుల వ్యవధిలో పెట్టాలి.
10	కలుపు మొక్కలు తీయడము/అంతర్గత-కల్టివేషన్	హెర్బిసైడ్ ఫ్లూక్లోరాలిన్ 500 లీటర్లు/హెక్టారుకి 700 ml ప్రీ-ఎమర్జెన్స్ స్ప్రే పిచికారి చేయండి. నాటిన తరవాత 30 రోజులకి థిన్నింగ్ చేయండి. తదుపరి కలుపు మొక్కల తొలగించడము అనేది ఎప్పుడు అవసరము అయితే అప్పుడు చేయండి. గుంటకి 2 మొక్కలు వదలండి.
11	సూక్ష్మపోషకము/ఎదుగుదల రెగ్యులేటర్ స్ప్రేలు	
12	చీడ మరియు తెగులు కంట్రోల్	మట్టిలో తెగుళ్ళు వృద్ధి చెందకుండా పంటలు రొటేట్ చేయండి. ఆశించిన మొక్కల పదార్థాలను తొలగించి మరియు నాశనము చేసి పొలము యొక్క పారిశుధ్యము బాగా వుండేలా చూసుకోండి. బూడిద తెగులు: బూడిద తెగులుని కంట్రోల్ చేయడానికి 0.1% కార్బెన్డాజిమ్ ద్రావకము పిచికారీ చేయండి.
13	కోత	మొక్కలు 30-40 రోజులు వయసులో వున్నప్పుడు ఆకుల కొరకు వాటిని లాగివెయండి.
14	ఎకరానికి ఆశించే దిగుబడి	సగటు ఆకుల దిగుబడి: సరైన పరిస్థితులలో, 6-7 టన్నుల/హెక్టారు
17	స్టోర్ చేయడము	కొత్తిమీరని తాజాగా దీర్ఘ కాలము స్టోర్ చేయడానికి, దానిని గాలి చొరబడని కంటైనరులో కొద్దిగా తేమ కలిగిన పేపర్ టవల్ మీద వుంచి ఫ్రిజ్ లో పెట్టండి. ఈ పద్ధతి ఒక వారము పాటు దాని తేమను మరియు తాజాదనము మెయింటేన్ చేయడానికి సహాయము చేస్తుంది
18	చేయకూడనివి	కొత్తిమీరను పండించే సమయములో, దానికి అధికముగా నీరు పెట్టకండి, ఇది వేరు కుళ్ళడానికి మరియు ఇతర శిలీంధ్ర తెగుళ్ళకి దారి తీస్తుంది. ఇంకా చెప్పాలంటే, అధిక పొటాషియం ఫర్టిలైజర్లు ఉపయోగిస్తే, అది పక్వానికి ముందే పూలు రావడానికి దారి తీస్తుంది, ఇది ఆకు సువాసన మీద మరియు కోత మీద ప్రభావము చూపిస్తుంది.
19	చేయవలసినవి	
గమనిక	పైన చెప్పబడిన సమాచారము సాధారణ సలహాలు మాత్రమే. ప్రత్యేక ప్రాంతాలకి సంబంధించిన ప్రత్యేకమైన సూచనల కొరకు, దయచేసి మీ రాష్ట్ర స్థానిక వ్యవసాయ శాఖను సంప్రదించండి.	
జాగ్రత్తలు	పంటల ఎదుగుదల మరియు దిగుబడి పలు కారణాల వలన ప్రభావితము అవుతుంది. కాబట్టి, మీ స్థానిక వ్యవసాయ అధికారిని సలహా కొరకు సంప్రదించాలని సూచించడము జరిగింది. కేవలము అధిక-నాణ్యత కలిగిన ఫర్టిలైజర్లు మరియు కీటకనాశనులు మాత్రమే ఉపయోగించబడ్డాయని ధృవీకరించుకోండి. విత్తనాలు, ఫర్టిలైజర్లు మరియు కీటకనాశనుల కొనుగోలు బిల్లులను మీ వద్ద వుంచుకోండి.	

கொத்தமல்லி - பயிரிடுதலுக்கான வழிகாட்டுதல்கள் மற்றும் தொழில்நுட்பங்கள்

வாழ்த்துகள்! கிரிஸ்டல் குடும்பத்தில் இருந்து மிகச் சிறந்த கொத்தமல்லி விதைகளில் ஒன்றைத் தேர்வு செய்துள்ளீர்கள். உயர் தர கொத்தமல்லி விதைகள் தயாரிப்பில் கிரிஸ்டல் நிறுவனம் மிகச் சிறந்த அனுபவம் கொண்டது. இந்த விதைகள், பரவலான விவசாயக் காலநிலைகளுக்கு பொருந்தும் வகையில், அதிக மகசூல் தரும் கலப்பு பயிர்களை உருவாக்குவதற்கான பரந்த ஆராய்ச்சியின் விளைவு ஆகும். கிரிஸ்டல், விவசாயிகள் மிக உயர் தரமான விதைகளைப் பெறுவதை உறுதி செய்வதற்காக விதை தயாரிப்பின் போது நவீன தொழில்நுட்பங்களைப் பயன்படுத்துகிறது. கிரிஸ்டலின் கொத்தமல்லி விதைகள் உயிரி சார் & உயிரி சாரா சூழல்களில் தாக்கு பிடிக்கும் வகையில் மிகச் சிறந்த முளைத்தல் & வலிமை கொண்டவை.

மிகச் சிறந்த மகசூலைப் பெற, சிறந்த விவசாய நடைமுறைகளை மேற்கொள்ளுங்கள். பின்வரும் பொதுவான பரிந்துரைகள் வழங்கப்பட்டுள்ளது. எனவே, ஏதேனும் முடிவுகளை மேற்கொள்ளும் முன் இந்தப் பரிந்துரைகளைப் படிக்குமாறு கேட்டுக்கொள்கிறோம்.

கலப்பு கொத்தமல்லி	ஹரிணி, மல்டி கட்	ரோஷினி	ஹரிணி, ஹரிணி மல்டி கட்									
காலம்	40-45 DAS	30-35 DAS	40-45 DAS									
காரீப்	ஆம்	ஆம்	ஆம்									
ராபி	ஆம்	ஆம்	ஆம்									
வசந்த காலம்	ஆம்	ஆம்	ஆம்									
பாசன ஆதாரம்	நிலத்தடி நீர்	நிலத்தடி நீர்	நிலத்தடி நீர்									

வானிலை சூழல்களைப் பொறுத்து பயிர் வளர்ச்சி & முதிர்ச்சி மாறுபடலாம் என்பதைக் கவனத்தில் கொள்ளுங்கள்

வ.எண்.	விவரங்கள் / செயல்பாடுகள் / செய்முறை	செயல்முறைக்கான விவரங்கள். ஒரு ஏக்கருக்கான உர உள்ளீடு
1	பொருந்துகின்ற பரப்பளவு/விவசாய-காலநிலை மண்டலம்	பயிர் அனைத்து முக்கிய காலநிலை மண்டலங்கள், அதாவது, காரீப் மற்றும் ராபி பருவங்களில் வளரும் என்றாலும், ராபி பருவம் மிகவும் பொருத்தமானது.
2	நிலம் / மண்	நீர் தேங்காத வண்டல் அல்லது பசளை மண் சாகுபடிக்கு மிகவும் ஏற்றது. மழை பொழியும் சாகுபடிக்கு pH 6 - 8 உள்ள களிமண் பொருத்தமாக இருக்கும்.
3	பருவம்/விதைக்கும் நேரம்	குளிர்ந்த மற்றும் ஒப்பீட்டு அளவில் உலர்வாக, உறைபனி இல்லாத காலநிலை. ஜூன் - ஜூலை மற்றும் அக்டோபர் - நவம்பர்
4	விதை விதம்	ஏக்கருக்கு 4-5 கிலோ (பாசனம் செய்யப்பட்ட பயிர்) ஏக்கருக்கு 8-10 கிலோ (மழை சார்ந்த பயிர்). அதிக முளைத்தல் சதவீத்திற்காக, விதைப்பதற்கு முன் விதைகள் பாதியாக உடைக்கப்படுகிறது.
5	பிரதான நிலம் மற்றும் நாற்று நடுவதற்கான தயாரிப்பு	பிரதான நிலத்தை நன்கு பண்படுத்திய நிலமாகத் தயார் செய்திடுங்கள். கடைசி உழுதலுக்கு முன் ஹெக்டேருக்கு 10 டன் எப்ஒய்எம் (FYM)-யைப் போட வேண்டும். படுக்கைகள் மற்றும் கால்வாய்களை உருவாக்குங்கள் (பாசனம் உள்ள பயிருக்கு). 20 x 15 செமீ இடைவெளியில் பாதியாக உடைக்கப்பட்ட விதைகள் விதைக்கப்படுகின்றன. 8-15 நாட்களில் விதைகள் முளைக்க தொடங்கும்.
6	இடைவெளி	தாவரம் முதல் தாவரம் வரை: 20 x 15 செமீ.
7	விதைப்பதற்கு முன்பான விதை தயாரிப்பு	காப்டான் உடன் விதைகளைக் கலந்திடுங்கள் (கிலோவிற்கு 2 கிராம்)
8	எருக்கள் மற்றும் உரங்கள்	அடி உரம் ஒரு ஹெக்டேருக்கு 10 டன் தொழு உரம் (FYM); ஒரு ஹெக்டேருக்கு 10 கிலோ N, 40 கிலோ P மற்றும் 20 கிலோ K. விதைத்து 30 நாட்கள் கழித்து பாசனம் உள்ள பயிருக்கு மட்டுமே ஹெக்டேருக்கு 10 கிலோ Nனை மேல் உரமாக இடலாம்.
9	பாசன அட்டவணை	விதைத்த உடனே முதல் பாசனம் செய்யப்பட வேண்டும் மற்றும் இரண்டாவது பாசனம் மூன்றாம் நாள் செய்யப்பட வேண்டும் மற்றும் அடுத்தடுத்த பாசனங்கள் 7-10 நாட்கள் இடைவெளியில் செய்யப்பட வேண்டும்.
10	களை நீக்கம்/ ஊடு பயிரிடுதல்	ஹெக்டேருக்கு 500 லிட்டர் வீதம் 700 மிலி ்ப்ளூக்ளோரலின் களைக்கொல்லியை முன்கூட்டிய தெளிப்பாக இட வேண்டும். விதைத்து 30 நாட்கள் கழித்து அடர்த்தி குறைப்பு செய்யப்பட வேண்டும். தொடர்ந்து களை நீக்கம் மற்றும் தேவைப்படும் செயல்பாடுகளை மேற்கொள்ள வேண்டும். ஒரு மணல் மேட்டிற்கு 2 தாவரங்களை வைக்க வேண்டும்.
11	நுண் ஊட்டச்சத்து/வளர்ச்சியை ஒழுங்குபடுத்தும்	
12	பூச்சி மற்றும் நோய் கட்டுப்பாடு	மண்ணில் நோய் தாக்கம் அதிகரிப்பதைத் தடுக்க பயிர் சுழற்சியை மேற்கொள்ளுங்கள். நோய் தாக்கிய தாவர பொருளை நீக்கி அழிப்பதன் வாயிலாக சிறப்பான சுகாதாரமான நிலத்தை உறுதி செய்யுங்கள். சாம்பல் நோய்: சாம்பல் நோயைக் கட்டுப்படுத்த 0.1% கார்பன்டாசிம் கரைசலை தெளிக்கலாம்.
13	அறுவடை	30-40 நாட்களில், தாவரங்களில் இருந்து இலைகளை நீக்கலாம்.
14	ஒரு ஏக்கருக்கு கிடைக்கக்கூடிய மகசூல்	சராசரி இலை மகசூல் : சாதகமான நிலைகளில் ஹெக்டேருக்கு 6-7 டன்கள்
17	சேமிப்பகம்	கொத்தமல்லியை நீண்ட நாட்கள் புதிதாகச் சேமித்து வைக்க, குளிர்சாதனப் பெட்டியில் ஒரு மெல்லிய ஈரமான காகித டவலில் வைத்து அதை ஒரு காற்று புகா கொள்கலனில் வைத்திடுங்கள். இந்த முறை கொத்தமல்லியில் ஈரப்பதத்தைத் தக்க வைத்து மற்றும் ஒரு வாரம் வரை புதிதாக வைத்துக்கொள்ள உதவுகிறது.
18	செய்யக்கூடாதவை	கொத்தமல்லியை அறுவடை செய்யும் போது, வேர் அழுகல் மற்றும் பிற பூஞ்சை சிக்கல்களை ஏற்படுத்தலாம் என்பதால் அதிகமாக நீர் பாய்ச்ச வேண்டாம். மேலும், அதிக பொட்டாசியம் உரங்களின் பயன்பாடு முன்கூட்டிய பூ வைக்கும் நிலைக்கு வழிவகுக்கலாம். அது இலையின் ருசி மற்றும் அறுவடையைப் பாதிக்கலாம்.
19	செய்ய வேண்டியவை	
குறிப்பு	மேற்கண்ட தகவல் ஒரு பொதுவான அறிவுறுத்தல். குறிப்பிட்ட பகுதிக்கான தனிப்பட்ட பரிந்துரைகளுக்கு, உங்களது மாநிலத்தில் இருக்கும் உள்ளூர் விவசாயத் துறையைத் தொடர்பு கொள்ளுங்கள்.	
முன்னெச்சரிக்கை நடவடிக்கைகள்	பல்வேறு காரணிகளால், பயிர் வளர்ச்சி மற்றும் மகசூல் பாதிக்கப்படலாம். எனவே, ஆலோசனைக்காக உங்கள் உள்ளூர் விவசாய அலுவலரைச் சந்தித்து பேசுவது பரிந்துரைக்கப்படுகிறது. உயர் தர உரங்கள் மற்றும் பூச்சிக்கொல்லிகள் மட்டுமே பயன்படுத்தப்படுகிறது என்பதை உறுதி செய்யுங்கள். விதைகள், உரங்கள் மற்றும் பூச்சிக்கொல்லிகள் வாங்கிய ரசீதுகளைத் தக்க வைத்துக்கொள்ளுங்கள்.	

ਧਨੀਆ ਦੀ ਕਾਸ਼ਤ ਦੇ ਤਰੀਕੇ

ਵਧਾਈਆਂ ਹੋਣ! ਤੁਸੀਂ ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਪਰਿਵਾਰ ਵਿੱਚੋਂ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਧਨੀਆ ਬੀਜਾਂ ਵਿੱਚੋਂ ਇੱਕ ਬੀਜ ਚੁਣਿਆ ਹੈ। ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਕੰਪਨੀ ਕੋਲ ਉੱਚ ਗੁਣਵੱਤਾ ਵਾਲੇ ਧਨੀਆ ਬੀਜ ਪੈਦਾ ਕਰਨ ਦਾ ਭਰਪੂਰ ਤਜਰਬਾ ਹੈ। ਇਹ ਬੀਜ ਵੱਖ -ਵੱਖ ਵਧ ਰਹੇ ਮੌਸਮਾਂ ਲਈ ਵਾਜਬ ਉੱਚ-ਉਪਜ ਦੇਣ ਵਾਲੀਆਂ ਹਾਈਬ੍ਰਿਡ ਫਸਲਾਂ ਬਣਾਉਣ ਦੇ ਉਦੇਸ਼ ਨਾਲ ਵਿਆਪਕ ਖੋਜ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਹਨ। ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਬੀਜ ਦੇ ਉਤਪਾਦਨ ਦੌਰਾਨ ਨਵੀਨਤਮ ਤਕਨਾਲੋਜੀ ਅਪਣਾਉਂਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਕਿ ਇਹ ਗੱਲ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਈ ਜਾ ਸਕੇ ਕਿ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਗੁਣਵੱਤਾ ਵਾਲੇ ਬੀਜ ਮਿਲ ਸਕਣ। ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਦੇ ਧਨੀਏ ਦੇ ਬੀਜ ਉਗਣ ਦੀ ਉੱਚ ਸਮਰੱਥਾ , ਬੂਟਿਆਂ ਦਾ ਮਜ਼ਬੂਤ ਵਾਧਾ ਅਤੇ ਰੋਗਾਂ ਅਤੇ ਵਾਤਾਵਰਣ ਦੇ ਤਣਾਅ ਪ੍ਰਤੀ ਚੰਗੀ ਸਹਿਣਸ਼ੀਲਤਾ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਰਦੇ ਹਨ।
ਚੰਗੀ ਪੈਦਾਵਾਰ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਨ ਲਈ ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਖੇਤੀ ਅਭਿਆਸਾਂ ਦਾ ਪਾਲਣ ਕਰੋ। ਹੇਠਾਂ ਕੁਝ ਆਮ ਸੁਝਾਅ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਹਨ , ਇਸ ਲਈ ਅਸੀਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਕੋਈ ਵੀ ਫੈਸਲਾ ਲੈਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਉਹਨਾਂ ਨੂੰ ਪੜ੍ਹੋ।

ਹਾਈਬ੍ਰਿਡ ਧਨੀਆ	ਹਰਿਣੀ' ਹਰਿਣੀ' ਹਰਿਣੀ' ਮਲ੍ਟੀ ਕਟ	ਰੋਸ਼ਿਨੀ	ਹਰਿਣੀ ਮਲ੍ਟੀ ਕਟ									
ਮਿਆਦ	40-45 DAS	30-35 DAS	40-45DAS									
ਖ਼ਰੀਫ	ਹਾਂ	ਹਾਂ	ਹਾਂ									
ਰਬੀ	ਹਾਂ	ਹਾਂ	ਹਾਂ									
ਸਪ੍ਰਿੰਗ	ਹਾਂ	ਹਾਂ	ਹਾਂ									
ਸਿੰਚਾਈ ਦਾ ਸਰੋਤ	ਭੂਮੀਗਤ ਪਾਣੀ	ਭੂਮੀਗਤ ਪਾਣੀ	ਭੂਮੀਗਤ ਪਾਣੀ									

ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਧਿਆਨ ਦਿਓ ਕਿ ਫਸਲ ਦਾ ਵਾਧਾ ਅਤੇ ਪਰਿਪੱਕਤਾ ਮੌਸਮ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ।

ਸੀਰੀਅਲ ਨੰ.	ਵੇਰਵੇ/ਕਾਰਜ/ਅਭਿਆਸ	ਕੰਮਕਾਜ ਦੇ ਵੇਰਵੇ। ਪ੍ਰਤੀ ਏਕੜ ਇਨਪੁਟ
1	ਖੇਤੀਬਾੜੀ-ਜਲਵਾਯੂ ਖੇਤਰ ਅਤੇ ਸਥਾਨ ਦੀ ਅਨੁਕੂਲਤਾ	ਇਹ ਫ਼ਸਲ ਸਾਰੇ ਮੁੱਖ ਜਲਵਾਯੂ ਖੇਤਰਾਂ ਵਿੱਚ ਸਾਉਣੀ ਅਤੇ ਹਾੜੀ ਦੋਵਾਂ ਮੌਸਮਾਂ ਵਿੱਚ ਉਗਾਈ ਜਾਂਦੀ ਹੈ, ਹਾਲਾਂਕਿ ਹਾੜੀ ਦਾ ਮੌਸਮ ਵਧੇਰੇ ਵਾਜਬ ਹੁੰਦਾ ਹੈ।
2	ਜ਼ਮੀਨ / ਮਿੱਟੀ	ਚੰਗੀ ਨਿਕਾਸ ਵਾਲੀ ਗਾਰ ਜਾਂ ਦੋਮਟ ਮਿੱਟੀ ਖੇਤੀ ਲਈ ਵਾਜਬ ਹੈ। ਮੀਂਹ 'ਤੇ ਆਧਾਰਿਤ ਖੇਤੀ ਲਈ 6-8 pH ਵਾਲੀ ਚੀਕਣੀ ਮਿੱਟੀ ਵਾਜਬ ਹੈ।
3	ਮੌਸਮ/ਬਿਜਾਈ ਦਾ ਸਮਾਂ	ਠੰਡਾ ਅਤੇ ਮੁਕਾਬਲਤਨ ਸੁੱਕਾ, ਤ੍ਰੇਲ-ਮੁਕਤ ਵਾਤਾਵਰਣ। ਜੂਨ - ਜੁਲਾਈ ਅਤੇ ਅਕਤੂਬਰ - ਨਵੰਬਰ
4	ਬੀਜ ਦੀ ਦਰ	4-5 ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ/ਏਕੜ (ਸਿੰਜਾਈ ਵਾਲੀ ਫ਼ਸਲ) 8-10 ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ/ਏਕੜ (ਬਰਸਾਤੀ ਫ਼ਸਲ)। ਉਗਣ ਦੀ ਵੱਧ ਪ੍ਰਤੀਸ਼ਤਤਾ ਲਈ, ਬੀਜਾਂ ਨੂੰ ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਦੋ ਹਿੱਸਿਆਂ ਵਿੱਚ ਵੰਡਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ।
5	ਮੁੱਖ ਖੇਤ ਦੀ ਤਿਆਰੀ ਅਤੇ ਬਿਜਾਈ	ਮੁੱਖ ਖੇਤ ਨੂੰ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਵਾਹੁਣ ਲਈ ਤਿਆਰ ਕਰੋ। ਆਖਰੀ ਵਾਹੀ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਰੂੜੀ ਦੀ ਖਾਦ 10 ਟਨ/ਹੈਕਟੇਅਰ ਪਾਓ। ਸਿੰਜਾਈ ਵਾਲੀਆਂ ਫਸਲਾਂ ਲਈ, ਬੀਜਾਂ ਨੂੰ 20 x 15 ਸੈਂਟੀਮੀਟਰ ਦੀ ਦੂਰੀ 'ਤੇ ਕਿਆਰੀਆਂ ਅਤੇ ਨਾਲੀਆਂ ਬਣਾ ਕੇ ਬੀਜਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਬੀਜ ਲਗਭਗ 8-15 ਦਿਨਾਂ ਵਿੱਚ ਉਗਣਗੇ।
6	ਬੂਟਿਆਂ ਵਿਚਕਾਰ ਦੂਰੀ	ਬੂਟੇ ਤੋਂ ਬੂਟੇ ਤੱਕ: 20 x 15 ਸੈ.ਮੀ.
7	ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਬੀਜ ਦਾ ਉਪਚਾਰ	ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਬੀਜਾਂ ਦਾ ਕੈਪਟਨ (2 ਗ੍ਰਾਮ ਪ੍ਰਤੀ ਕਿਲੋ) ਨਾਲ ਉਪਚਾਰ ਕਰੋ।
8	ਜੈਵਿਕ ਅਤੇ ਰਸਾਇਣਕ ਖਾਦ	ਬੇਸਲ ਰੂੜੀ ਦੀ ਖਾਦ 10 ਟਨ/ਹੈਕਟੇਅਰ; 10 ਕਿਲੋ ਨਾਈਟ੍ਰੋਜਨ, 40 ਕਿਲੋ ਫਾਸਫੋਰਸ ਅਤੇ 20 ਕਿਲੋ ਪੋਟਾਸ਼ੀਅਮ ਪ੍ਰਤੀ ਹੈਕਟੇਅਰ। ਸਿਰਫ਼ ਸਿੰਜਾਈ ਵਾਲੀ ਫ਼ਸਲ ਲਈ ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ 30 ਦਿਨਾਂ ਬਾਅਦ 10 ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ N/ha ਦੇ ਹਿਸਾਬ ਨਾਲ ਟਾਪ ਡਰੈਸਿੰਗ ਕੀਤੀ ਜਾ ਸਕਦੀ ਹੈ।
9	ਸਿੰਚਾਈ ਦੀ ਸਮਾਂ-ਸਾਰਣੀ	ਪਹਿਲੀ ਸਿੰਚਾਈ ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ ਤੁਰੰਤ ਬਾਅਦ ਅਤੇ ਦੂਜੀ ਸਿੰਚਾਈ ਤੀਜੇ ਦਿਨ ਅਤੇ ਉਸ ਤੋਂ ਬਾਅਦ 7-10 ਦਿਨਾਂ ਦੇ ਅੰਤਰਾਲ 'ਤੇ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ।
10	ਨਦੀਨਾਂ ਦੀ ਕਟਾਈ ਅਤੇ ਫ਼ਸਲਾਂ ਦੀ ਕਾਸ਼ਤ	ਨਦੀਨਨਾਸ਼ਕ ਫਲੂਚਲੋਰਾਲਿਨ ਦਾ ਛਿੜਕਾਅ 700 ਮਿ.ਲੀ. ਪ੍ਰਤੀ 500 ਲੀਟਰ/ਹੈਕਟੇਅਰ ਦੇ ਹਿਸਾਬ ਨਾਲ ਕਰੋ। ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ 30 ਦਿਨਾਂ ਬਾਅਦ ਪਤਲਾ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਬਾਅਦ ਵਿੱਚ ਲੋੜ ਪੈਣ 'ਤੇ ਛਾਂਟੀ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਹਰੇਕ ਟੋਏ ਵਿੱਚ 2 ਬੂਟੇ ਲਗਾਓ।
11	ਪੌਸ਼ਟਿਕ ਤੱਤਾਂ/ਵਿਕਾਸ ਰੈਗੂਲੇਟਰਾਂ ਦਾ ਛਿੜਕਾਅ	
12	ਕੀਟ ਅਤੇ ਰੋਗ ਨਿਯੰਤਰਣ	ਮਿੱਟੀ ਵਿੱਚ ਬਿਮਾਰੀ ਫੈਲਣ ਤੋਂ ਰੋਕਣ ਲਈ ਫਸਲੀ ਚੱਕਰ ਅਪਣਾਓ। ਖਰਾਬ ਹੋਏ ਬੂਟਿਆਂ ਨੂੰ ਹਟਾ ਕੇ ਅਤੇ ਨਸ਼ਟ ਕਰਕੇ ਖੇਤ ਦੀ ਚੰਗੀ ਸਫਾਈ ਬਣਾਈ ਰੱਖੋ। ਪਾਊਡਰੀ ਫ਼ਫ਼ੂੰਦੀ: ਪਾਊਡਰੀ ਫ਼ਫ਼ੂੰਦੀ ਨੂੰ ਕੰਟਰੋਲ ਕਰਨ ਲਈ, ਕਾਰਬੈਂਡਾਜ਼ਿਮ ਦੇ 0.1% ਘੋਲ ਦਾ ਛਿੜਕਾਅ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ।
13	ਵਾਢੀ	ਜਦੋਂ ਬੂਟੇ੍ਹ 30-40 ਦਿਨ ਦੇ ਹੋ ਜਾਣ, ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪੱਤੇ ਕੱਢਣ ਲਈ ਪੁੱਟ ਦਿਓ।
14	ਪ੍ਰਤੀ ਏਕੜ ਅਨੁਮਾਨਿਤ ਝਾੜ	ਪੱਤਿਆਂ ਦੀ ਔਸਤ ਪੈਦਾਵਾਰ: ਆਦਰਸ਼ ਵਧ ਰਹੀਆਂ ਸਥਿਤੀਆਂ ਵਿੱਚ 6-7 ਟਨ/ਹੈਕਟੇਅਰ
17	ਸਟੋਰੇਜ	ਧਨੀਆ ਜ਼ਿਆਦਾ ਦੇਰ ਤੱਕ ਤਾਜ਼ਾ ਰੱਖਣ ਲਈ, ਇਸਨੂੰ ਥੋੜ੍ਹਾ ਜਿਹਾ ਗਿੱਲਾ ਪੇਪਰ ਟਾਵਲ ਲੈ ਕੇ ਫਰਿੱਜ ਵਿੱਚ ਏਅਰਟਾਈਟ ਕੰਟੇਨਰ ਵਿੱਚ ਸਟੋਰ ਕਰੋ। ਇਹ ਤਰੀਕਾ ਇੱਕ ਹਫ਼ਤੇ ਤੱਕ ਨਮੀ ਅਤੇ ਤਾਜ਼ਗੀ ਬਰਕਰਾਰ ਰੱਖਣ ਵਿੱਚ ਮਦਦ ਕਰਦਾ ਹੈ
18	ਕੀ ਨਾ ਕਰੋ	ਧਨੀਆ ਉਗਾਉਂਦੇ ਸਮੇਂ ਬਹੁਤ ਜ਼ਿਆਦਾ ਸਿੰਚਾਈ ਨਾ ਕਰੋ, ਕਿਉਂਕਿ ਇਹ ਜੜ੍ਹਾਂ ਦੇ ਸੜਨ ਅਤੇ ਫੰਗਲ ਬਿਮਾਰੀਆਂ ਦਾ ਕਾਰਨ ਬਣ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਇਸਦੇ ਨਲ ਹੀ, ਉੱਚ ਪੋਟਾਸ਼ੀਅਮ ਸਮੱਗਰੀ ਵਾਲੀਆਂ ਖਾਦਾਂ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕਰਕੇ ਸਮੇਂ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਫੁੱਲ ਪੈਦਾ ਕੀਤੇ ਜਾ ਸਕਦੇ ਹਨ, ਜੋ ਪੱਤਿਆਂ ਦੇ ਸੁਆਦ ਅਤੇ ਉਪਜ ਨੂੰ ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਨ।
19	ਕੀ ਕਰੋ	
ਨੋਟ	ਇਹ ਜਾਣਕਾਰੀ ਸਿਰਫ਼ ਆਮ ਜਾਣਕਾਰੀ ਲਈ ਹੈ। ਕਿਸੇ ਖਾਸ ਖੇਤਰ ਲਈ ਖਾਸ ਸਿਫ਼ਾਰਸ਼ਾਂ ਲਈ, ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਆਪਣੇ ਸਥਾਨਕ ਰਾਜ ਦੇ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਵਿਭਾਗ ਨਾਲ ਸੰਪਰਕ ਕਰੋ।	
ਸਾਵਧਾਨੀਆਂ	ਕਈ ਕਾਰਨਾਂ ਕਰਕੇ ਫਸਲਾਂ ਦਾ ਵਾਧਾ ਅਤੇ ਝਾੜ ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ, ਸਲਾਹ ਲਈ ਆਪਣੇ ਸਥਾਨਕ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਅਧਿਕਾਰੀ ਨਾਲ ਗੱਲ ਕਰਨ ਦੀ ਸਲਾਹ ਦਿੱਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਇਹ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਓ ਕਿ ਸਿਰਫ਼ ਚੰਗੀ ਕੁਆਲਿਟੀ ਦੀਆਂ ਖਾਦਾਂ ਅਤੇ ਕੀਟਨਾਸ਼ਕਾਂ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ। ਬੀਜ, ਖਾਦ ਅਤੇ ਕੀਟਨਾਸ਼ਕਾਂ ਦੀ ਖਰੀਦ ਦੇ ਬਿੱਲਾਂ ਨੂੰ ਸੰਭਾਲ ਕੇ ਰੱਖੋ।	

CRYSTAL
Inspiring Growth

I&B Seeds
INDUS SEEDS

ধনে- চাষের নিয়মাবলি

অভিনন্দন! আপনি ক্রিস্টাল পরিবারের অন্যতম উৎকৃষ্ট ধনের বীজগুলি নির্বাচন করেছেন। উচ্চমানের ধনে বীজগুলি উৎপাদনে ক্রিস্টালের নির্ভরযোগ্য অভিজ্ঞতা আছে। এই বীজগুলি ব্যাপক গবেষণার ফলাফল, যার উদ্দেশ্য বিভিন্ন কৃষি জলবায়ুর উপযোগী, উচ্চফলনশীল হাইব্রিড ফসলের উন্নয়ন। কৃষকেরা যাতে সর্বোচ্চ মানের বীজগুলি পান তা নিশ্চিত করতে উৎপাদনের সময় ক্রিস্টাল সর্বাধুনিক প্রযুক্তিগুলি গ্রহণ করে। ক্রিস্টালের ধনে বীজগুলি জীবজ এবং অজীবজ প্রতিকূলতার প্রতি সহনশীলতা সহ উৎকৃষ্ট অঙ্কুরোদ্গম এবং শক্তিশালী উদ্ভিদের বিকাশ প্রদান করে।
অনুগ্রহ করে চমৎকার ফলন পেতে সর্বোত্তম কৃষি পদ্ধতি গ্রহণ করুন। নিচে কিছু সাধারণ পরামর্শ দেওয়া হল, তাই আমরা আপনাকে বলছি অনুগ্রহ করে কোনো সিদ্ধান্ত নেওয়ার আগে পরামর্শগুলি পড়ুন।

হাইব্রিড ধনে	**হরিণী, মল্টী কট**	**রোশিনী**	**হরিণী, হরিণী মল্টী কট**									
সময়সীমা	40-45 DAS	30-35 DAS	40-45DAS									
খরিফ	হ্যাঁ	হ্যাঁ	হ্যাঁ									
রবি	হ্যাঁ	হ্যাঁ	হ্যাঁ									
বসন্ত	হ্যাঁ	হ্যাঁ	হ্যাঁ									
সেচের উৎস	ভূগর্ভ জল	ভূগর্ভ জল	ভূগর্ভ জল									

অনুগ্রহ করে মনে রাখবেন যে আবহাওয়ার পরিস্থিতি অনুযায়ী ফসলের বিকাশ ও পক্কতা আসার সময় ভিন্ন হতে পারে

ক্রমিক নম্বর	**বিস্তারিত/ অপারেশন/ পদ্ধতি**	**প্রতি একর ইনপুটে অপারেশনের বিশদ**
1	এলাকার উপযোগিতা/কৃষি-জলবায়ু জোন	ফসলটি সব প্রধান জলবায়ু জোনে উভয় খরিফ এবং রবি মরশুমে চাষ করা হয়, যদিও রবি বেশি উপযুক্ত।
2	জমি / মাটি	চাষের জন্য ভালভাবে নিষ্কাশিত কাদামাটির অথবা দোআঁশ মাটির উপযোগী। বৃষ্টিপ্রাপ্ত চাষের জন্য 6 – 8 pH যুক্ত দোআঁশ অথবা মাটির মাটি উপযোগী।
3	ঋতু/বপনের সময়	শীতল এবং তুলনামূলকভাবে শুকনো, তুষারমুক্ত জলবায়ু। জুন-জুলাই এবং অক্টোবর-নভেম্বর
4	বীজের হার	4-5 কেজি/একর (সেচকৃত ফসল) 8-10 কেজি/একর (বৃষ্টিপ্রাপ্ত ফসল)। আরোঅঙ্কুরোদ্গমরেজন্যবপনরে আগে বীজগুলো অর্ধকে ভাগে ভাঙা হয়।
5	মূল ক্ষেতের প্রস্তুতি এবং রোপণ	মূল ক্ষেতটি সূক্ষ্ম নরম মাটি হিসাবে প্রস্তুত করুন। শেষ চাষের আগে FYM 10 t/হেক্টর যোগ করুন। বেড এবং সেচের নালা তৈরি করুন (সেচকৃত ফসলের জন্য)। অর্ধকেভাগ করা বীজগুলি 20 x 15 সেন্টিমিটার ফাঁকে বপন করুন। বীজগুলি প্রায় 8-15 দিনের মধ্যে অঙ্কুরিত হবে।
6	ফাঁক	উদ্ভিদ থেকে উদ্ভিদ: 20 x 15 সেন্টিমিটার।
7	বপনের আগে বীজের পরিচর্যা	বীজ প্রয়োগের আগে ক্যাপটান (2গ্রাম/কেজি)
8	জৈব এবং রাসায়নিক সার	বেসাল FYM 10 t/হেক্টর; 10 কেজি N, 40 কেজি P এবং 20 কেজি K প্রতি হেক্টর। শীর্ষ ড্রেসিং শুধুমাত্র সেচকৃত ফসলের জন্য বপনের 30 দিন পরে 10 কেজি N/হেক্টর হারে দেওয়া যেতে পারে।
9	সেচের সময়সূচী	প্রথম সেচ বপনের সঙ্গে সঙ্গে দেওয়া উচিৎ এবং দ্বিতীয় সেচ তৃতীয় দিনে এবং এরপরের সেচগুলো 7-10 দিনের ব্যবধান দিয়ে দেওয়া হবে।
10	আগাছা নিবারণ/ মধ্যশস্য পরিচর্যা	বীজ অঙ্কুরিত হওয়ার আগে ভেষজনাশক ফ্লুক্লোরালিন প্রতি 500 লিটার/হেক্টরে 700 মিলিলিটার হারে ছিটান। বপনের 30 দিন পরে পাতলা করা হয়। পরবর্তী আগাছা নিবারণ প্রয়োজন অনুসারে করা হয়। প্রত্যেক পাহাড়ে 2টি উদ্ভিদ ছেড়ে দিন।
11	ক্ষুদ্রপুষ্টি/বিকাশ নিয়ন্ত্রক ছিটান	
12	পোকা এবং রোগ নিয়ন্ত্রণ	মাটিতে রোগের সঞ্চয় রোধ করতে ফসল চক্র প্রয়োগ করুন। সংক্রমিত উদ্ভিদ উপাদান সরিয়ে ফেলে ধ্বংস করে মাঠের স্যানিটেশন নিশ্চিত করুন। পাউডারি মিলডিউ: পাউডারি মিলডিউ নিয়ন্ত্রণের জন্য কার্বেনডাজিমের 0.1% সলিউশন ছিটানো যেতে পারে।
13	ফসল কাটা	পাতার জন্য উদ্ভিদগুলি 30-40 দিনের হলে তা খুঁটিয়ে তুলুন।
14	প্রতি একরে প্রত্যাশিত ফলন	পাতার গড় চাষ: 6-7t/হেক্টর, আদর্শ পরিস্থিতিতে
17	সংরক্ষণ	ধনে দীর্ঘ সময় তাজা রাখার জন্য, এটিকে একটি এয়ারটাইট কন্টেইনারে হালকা ভেজা কাগজের তোয়ালে সহ ফ্রিজে রাখুন। এই পদ্ধতি আর্দ্রতা এবং তাজাগুলি প্রায় এক সপ্তাহ পর্যন্ত বজায় রাখতে সাহায্য করে
18	করবেন না	ধনে চাষের সময় অতিরিক্ত জল দেবেন না, কারণ এতে মূল পচা এবং অন্যান্য ছত্রাকজনিত সমস্যা হতে পারে। অতিরিক্ত পটাশিয়াম সমৃদ্ধ সার ব্যবহারের ফলে সময়ের আগে ফুল আসতে পারে, যা পাতার স্বাদ এবং ফসলের ফলনে প্রভাব ফেলে।
19	করবেন	
দ্রষ্টব্য	উপরের তথ্যটি একটি সাধারণ পরামর্শ। নির্দিষ্ট এলাকার জন্য বিশেষ সুপারিশের জন্য, অনুগ্রহ করে স্থানীয় রাজ্য কৃষি দপ্তরের সঙ্গে যোগাযোগ করুন।	
সতর্কতা	ফসলের বিকাশ এবং ফলন বিভিন্ন উপাদানের দ্বারা প্রভাবিত হতে পারে। অতএব, পরামর্শের জন্য আপনার স্থানীয় কৃষি অফিসারের সঙ্গে যোগাযোগ করা সুপারিশ করা হচ্ছে। নিশ্চিত করুন যে শুধুমাত্র উচ্চমানের সার এবং কীটনাশক ব্যবহার করা হচ্ছে। বীজ, সার এবং কোটনাশক ক্রয় করার রশিদ রাখুন।	

CRYSTAL Inspiring Growth

I&B Seeds

ଧଣିଆ-ଉନ୍ନତ କୃଷି ପ୍ରଣାଳୀ

ଅଭିନନ୍ଦନ! ଆପଣ କ୍ରିଷ୍ଟାଲ ପରିବାରରୁ ସବୁଠାରୁ ଭଲ ଧଣିଆ ମଞ୍ଜି ମଧ୍ୟରୁ ଗୋଟିଏ ବାଛିଛନ୍ତି। ଉଚ୍ଚମାନର ଧଣିଆ ମଞ୍ଜି ଉତ୍ପାଦନ କରିବାରେ କ୍ରିଷ୍ଟାଲର ଦୃଢ଼ ଅଭିଜ୍ଞତା ରହିଛି। ଏହି ବିହନଗୁଡ଼ିକ ବ୍ୟାପକ ଗବେଷଣାର ଫଳାଫଳ, ଯାହାର ଲକ୍ଷ୍ୟ ବିଭିନ୍ନ କୃଷି ଜଳବାୟୁ ପାଇଁ ଉପଯୁକ୍ତ ଉଚ୍ଚ-ଅମଳକ୍ଷମ ହାଇବ୍ରିଡ୍ ଫସଲ ବିକଶିତ କରିବା ଅଟେ। ଚାଷୀମାନେ ସର୍ବୋଚ୍ଚ ଗୁଣବତ୍ତାର ବିହନ ପାଇବା ନିଶ୍ଚିତ କରିବା ପାଇଁ କ୍ରିଷ୍ଟାଲ୍ ବିହନ ଉତ୍ପାଦନ ସମୟରେ ନୂତନତମ ପ୍ରଯୁକ୍ତିବିଦ୍ୟା ଗ୍ରହଣ କରେ। କ୍ରିଷ୍ଟାଲର ଧଣିଆ ମଞ୍ଜି ଜୈବ ଏବଂ ଅଜୈବିକ ଚାପ ପ୍ରତି ସହନଶୀଳତା ସହିତ ଉତ୍କୃଷ୍ଟ ଅଙ୍କୁରୋଦଗମ ଏବଂ ଉନ୍ନତ ଶକ୍ତି ପ୍ରଦାନ କରିଥାଏ।
ଉତ୍କୃଷ୍ଟ ଅମଳ ପାଇବା ପାଇଁ ଦୟାକରି ସର୍ବୋତ୍ତମ କୃଷି ପଦ୍ଧତି ଗ୍ରହଣ କରନ୍ତୁ। ନିମ୍ନଲିଖିତ ସାଧାରଣ ସୁପାରିଶଗୁଡ଼ିକ ପ୍ରଦାନ କରାଯାଇଛି, ତେଣୁ କୌଣସି ନିଷ୍ପତ୍ତି ନେବା ପୂର୍ବରୁ ଏହି ସୁପାରିଶଗୁଡ଼ିକୁ ପଢ଼ି ନେବାକୁ ଆମେ ଆପଣଙ୍କୁ ଅନୁରୋଧ କରୁଛୁ।

ଧଣିଆ ହାଇବ୍ରିଡ	ହରିଣି, ମଲ୍ଟି କଟ୍	ରୋଶିନି	ହରିଣି, ହରିଣି ମଲ୍ଟି କଟ୍									
ଅବଧି	40-45 DAS	30-35 DAS	40-45DAS									
ଖରିଫ	ହଁ	ହଁ	ହଁ									
ରବି	ହଁ	ହଁ	ହଁ									
ବସନ୍ତ	ହଁ	ହଁ	ହଁ									
ଜଳସେଚନର ଉତ୍ସ	ଭୂତଳ ଜଳ	ଭୂତଳ ଜଳ	ଭୂତଳ ଜଳ									

ଦୟାକରି ଧ୍ୟାନ ଦିଅନ୍ତୁ ଯେ ପାଣିପାଗ ପରିସ୍ଥିତି ଅନୁସାରେ ଫସଲର ବୃଦ୍ଧି ଏବଂ ପରିପକ୍ୱତା ଭିନ୍ନ ହୋଇପାରେ।

କ୍ରମିକ ସଂଖ୍ୟା	ବିବରଣୀ / କାର୍ଯ୍ୟ / ଅଭ୍ୟାସ	କାର୍ଯ୍ୟର ବିବରଣୀ। ପ୍ରତି ଏକର ଇନପୁଟ୍
1	କ୍ଷେତ୍ର/କୃଷି-ଜଳବାୟୁ କ୍ଷେତ୍ରର ଉପଯୁକ୍ତତା	ଉଭୟ ଖରିଫ ଏବଂ ରବି ଋତୁରେ ସମସ୍ତ ପ୍ରମୁଖ ଜଳବାୟୁ ଅଞ୍ଚଳରେ ଏହି ଫସଲ ଚାଷ କରାଯାଏ, ଯଦିଓ ରବି ଅଧିକ ଉପଯୁକ୍ତ
2	ଭୂମି / ମାଟି	ଭଲ ଭାବେ ଜଳ ନିଷ୍କାସନ ହେଉଥିବା କାଦୁଅ କିମ୍ବା ଦୋଆଁଶ ମାଟି ଚାଷ ପାଇଁ ଉପଯୁକ୍ତ। ବର୍ଷା ଆଧାରିତ ଚାଷ ପାଇଁ 6-8 ପି. ଏଚ୍. ବିଶିଷ୍ଟ କାଦୁଅ ମାଟି ଉପଯୁକ୍ତ।
3	ଋତୁ/ବୁଣିବା ସମୟ	ଥଣ୍ଡା ଏବଂ ଅପେକ୍ଷାକୃତ ଶୁଖିଲା, ତୁଷାର ମୁକ୍ତ ଜଳବାୟୁ । ଜୁନ-ଜୁଲାଇ ଏବଂ ଅକ୍ଟୋବର-ନଭେମ୍ବର
4	ମଞ୍ଜି ଦର	4-5 କି. ଗ୍ରା./ଏକର (ଜଳସେଚନ ଫସଲ) 8-10 କେଜି/ଏକର (ବର୍ଷା ଆଧାରିତ ଫସଲ)। ଅଧିକ ଅଙ୍କୁରୋଦଗମ ପ୍ରତିଶତ ପାଇଁ ବୁଣିବା ପୂର୍ବରୁ ମଞ୍ଜିଗୁଡ଼ିକୁ ଅଧା ଭାଗରେ ବିଭକ୍ତ କରାଯାଇଥାଏ।
5	ମୁଖ୍ୟ କ୍ଷେତ ପ୍ରସ୍ତୁତି ଏବଂ ରୋପଣ	ମୁଖ୍ୟ କ୍ଷେତ୍ରକୁ ଏକ ସୂକ୍ଷ୍ମ ଚାଷ ପାଇଁ ପ୍ରସ୍ତୁତ କରନ୍ତୁ। ଶେଷ ହଳ କରିବା ପୂର୍ବରୁ ହେକ୍ଟର ପିଛା ଏଫ. ୱାଇ. ଏମ୍. 10 ଟନ୍ ମିଶାନ୍ତୁ। ବେଡ ଏବଂ ଚ୍ୟାନେଲ ଗଠନ କରନ୍ତୁ (ଜଳସେଚିତ ଫସଲ ପାଇଁ) ବିଭାଜିତ ମଞ୍ଜି ଗୁଡ଼ିକୁ 20 x 15 ସେ. ମି. ବ୍ୟବଧାନରେ ବୁଣନ୍ତୁ। ପ୍ରାୟ 8-15 ଦିନ ମଧ୍ୟରେ ବୀଜଗୁଡ଼ିକ ଅଙ୍କୁରିତ ହୋଇଯିବ।
6	ବ୍ୟବଧାନ	ଗଛ ଠାରୁ ଗଛ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ: 20 x 15 ସେମି.
7	ବୁଣିବା ପୂର୍ବରୁ ବିହନ ଉପଚାର	କ୍ୟାପଟନ ସହିତ ବୀଜ ଚିକିତ୍ସା (2ଗ୍ରାମ/କିଗ୍ରା)
8	ଖତ ଏବଂ ସାର	ବେସାଲ୍ ଏଫ୍. ୱାଇ. ଏମ୍. ହେକ୍ଟର ପିଛା 10 ଟନ୍; ହେକ୍ଟର ପିଛା 10 କେଜି ଏନ୍(N), 40 କିଗ୍ରା (P) ପ୍ରତି ହେକ୍ଟରଏବଂ 20 କିଗ୍ରା (K) ପ୍ରତି ହେକ୍ଟର ବୁଣିବାର 30 ଦିନ ପରେ କେବଳ ଜଳସେଚିତ ଫସଲ ପାଇଁ 10 କି. ଗ୍ରା. ଏନ୍./ହେକ୍ଟରରେ ଉପର ଡ୍ରେସିଂ କରାଯାଇପାରିବ।
9	ଜଳସେଚନ ସମୟସୂଚୀ	ପ୍ରଥମ ଜଳସେଚନ ବୁଣିବା ପରେ ତୁରନ୍ତ ଏବଂ ଦ୍ୱିତୀୟ ଜଳସେଚନ ତୃତୀୟ ଦିନରେ ଏବଂ ପରବର୍ତ୍ତୀ ଜଳସେଚନ 7-10 ଦିନ ବ୍ୟବଧାନରେ କରାଯିବା ଉଚିତ।
10	ଘାସ ବାଛିବା/ଆନ୍ତଃ-ଚାଷ	ଉଦ୍ଭିଦନାଶକ ଫ୍ଲୁକ୍ଲୋରାଲିନ୍ ର ପ୍ରାକ-ଆବିର୍ଭାବ ସ୍ପ୍ରେ 500 ଲିଟର/ହେକ୍ଟରରେ 700 ମିଲି। ବୁଣିବାର 30 ଦିନ ପରେ ପତଳା କରାଯାଏ । ଆବଶ୍ୟକ ସ୍ଥଳେ ପରବର୍ତ୍ତୀ ଅନାବନା ଗଛ ବାଛିବା କରାଯାଏ। ପ୍ରତି ପାହାଡ଼ରେ 2ଟି ଗଛ ଲଗାନ୍ତୁ।
11	ସୂକ୍ଷ୍ମ ପୋଷକ ତତ୍ତ୍ୱ/ବୃଦ୍ଧି ନିୟାମକ ସିଞ୍ଚନ	
12	ରୋଗ ଓ କୀଟପତଙ୍ଗ ନିୟନ୍ତ୍ରଣ	ମାଟିରେ ରୋଗ ବୃଦ୍ଧିକୁ ରୋକିବା ପାଇଁ ଫସଲ ଚକ୍ରକୁ ଅଭ୍ୟାସ କରନ୍ତୁ। ସଂକ୍ରମିତ ଉଦ୍ଭିଦ ସାମଗ୍ରୀ ଅପସାରଣ ଏବଂ ନଷ୍ଟ କରି ଭଲ କ୍ଷେତ୍ର ସ୍ୱଚ୍ଛତା ନିଶ୍ଚିତ କରନ୍ତୁ। ପାଉଡର ମିଲଡ୍ୟୁ: ପାଉଡର ଫଙ୍ଗୁକୁ ନିୟନ୍ତ୍ରଣ କରିବା ପାଇଁ କାର୍ବେଣ୍ଡାଜିମ୍ ର 0.1% ଦ୍ରବଣ ସ୍ପ୍ରେ କରାଯାଇପାରିବ।
13	ଅମଳ	ପତ୍ରଗୁଡ଼ିକ 30-40 ଦିନ ବୟସ ହେବା ପରେ ସେଗୁଡ଼ିକୁ ବାହାର କରିଦିଅନ୍ତୁ।
14	ପ୍ରତି ଏକର ଆଶାକୃତ ଅମଳ	ହାରାହାରି ପତ୍ର ଉତ୍ପାଦନ: 6-7 ଟନ୍/ହେକ୍ଟର, ଆଦର୍ଶ ପରିସ୍ଥିତିରେ
17	ସଂରକ୍ଷଣ	ଧଣିଆକୁ ଅଧିକ ସମୟୟ ଧରି ତାଜା ରଖିବା ପାଇଁ, ଏହାକୁ ରେଫ୍ରିଜରେଟରରେ ହାଲୁକା ଭଜା କାଗଜ ଟାୱେଲ ସହିତ ଏକ ଏୟାରଟାଇଟ କଣ୍ଟେନରରେ ରଖନ୍ତୁ। ଏହି ପଦ୍ଧତି ଏକ ସପ୍ତାହ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଆର୍ଦ୍ରତା ଏବଂ ସତେଜତା ବଜାୟ ରଖିବାରେ ସାହାଯ୍ୟ କରେ।
18	କରନ୍ତୁ ନାହିଁ	ଧଣିଆ ଚାଷ କରିବା ସମୟୟରେ, ଅଧିକ ପାଣି ଦେବା ଠାରୁ ଦୂରେଇ ରୁହନ୍ତୁ, କାରଣ ଏହା ମୂଳ କ୍ଷୟ ଏବଂ ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ଫଙ୍ଗସ୍ ସମସ୍ୟା ସୃଷ୍ଟି କରିପାରେ। ଅଧିକନ୍ତୁ, ଅଧିକ ପୋଟାସିୟମ୍ ସାର ବ୍ୟବହାର କରିବା ଦ୍ୱାରା ସମୟ ପୂର୍ବରୁ ଫୁଲ ଆସିପାରେ, ଯାହା ପତ୍ରର ସ୍ୱାଦ ଏବଂ ଅମଳ ଉପରେ ପ୍ରଭାବ ପକାଇଥାଏ।
19	କରନ୍ତୁ	
ଟିପ୍ପଣୀ	ଉପରୋକ୍ତ ସୂଚନା ଏକ ସାଧାରଣ ପରାମର୍ଶ ଅଟେ। ନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ ଅଞ୍ଚଳର ନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ ସୁପାରିଶ ପାଇଁ, ଦୟାକରି ଆପଣଙ୍କ ସ୍ଥାନୀୟ ରାଜ୍ୟ କୃଷି ବିଭାଗ ସହିତ ଯୋଗାଯୋଗ କରନ୍ତୁ।	
ସତର୍କତା	ଫସଲର ବୃଦ୍ଧି ଏବଂ ଅମଳ ବିଭିନ୍ନ କାରଣ ଦ୍ୱାରା ପ୍ରଭାବିତ ହୋଇପାରେ। ତେଣୁ, ପରାମର୍ଶ ପାଇଁ ଆପଣଙ୍କ ସ୍ଥାନୀୟ କୃଷି ଅଧିକାରୀଙ୍କ ସହିତ ପରାମର୍ଶ କରିବାକୁ ସୁପାରିଶ କରାଯାଉଛି। ନିଶ୍ଚିତ କରନ୍ତୁ ଯେ କେବଳ ଉଚ୍ଚମାନର ସାର ଏବଂ କୀଟନାଶକ ବ୍ୟବହାର କରାଯାଉଛି। ବିହନ, ସାର ଏବଂ କୀଟନାଶକ କ୍ରୟ କରିବାର ରସିଦ ଆପଣଙ୍କ ପାଖରେ ରଖନ୍ତୁ।	

ধনীয়া- অনুশীলনৰ পেকেজ

অভিনন্দন! আপুনি ক্রিষ্টেল পৰিয়ালৰ এটা উৎকৃষ্ট ধনীয়াৰ বীজ বাচি লৈছে। উচ্চ মানৰ ধনীয়া বীজ উৎপাদনত ক্রিষ্টেলৰ দৃঢ় অভিজ্ঞতা আছে। এই বীজবোৰ হৈছে বিস্তৃত গৱেষণাৰ ফলাফল, যাৰ লক্ষ্য হৈছে বিভিন্ন কৃষি জলবায়ুৰ বাবে উপযুক্ত উচ্চ-উৎপাদনশীল হাইব্রিড শস্য বিকাশ কৰা। বীজ উৎপাদনৰ সময়ত ক্রিষ্টেলে শেহতীয়া প্রযুক্তি গ্রহণ কৰে যাতে কৃষকসকলে সৰ্বোচ্চ মানৰ বীজ লাভ কৰে। ক্রিষ্টেলৰ ধনীয়াৰ বীজবোৰে জৈৱিক আৰু অজৈৱিক চাপৰ প্রতি সহনশীলতাৰ সৈতে উৎকৃষ্ট অঙ্কুৰিতকৰণ আৰু উন্নত শক্তি প্রদান কৰে।
অনুগ্রহ কৰি উৎকৃষ্ট কৃষি পদ্ধতি গ্রহণ কৰি উৎকৃষ্ট উৎপাদন লাভ কৰক। তলত দিয়া সাধাৰণ পৰামৰ্শসমূহ প্রদান কৰা হৈছে, গতিকে আমি আপোনাক অনুৰোধ কৰোঁ যে আপুনি কোনো সিদ্ধান্ত লোৱাৰ আগতে এই পৰামৰ্শসমূহ পঢ়ক।

হাইব্রিড ধনীয়া	হৰিণী, হৰিণী, হৰিণী, মল্টী কট	ৰোশিনী	হৰিণী মল্টী কট		
সময়কাল	40-45 DAS	30-35 DAS	40-45DAS		
খাৰিফ	হয়	হয়	হয়		
ৰাবি	হয়	হয়	হয়		
বসন্ত	হয়	হয়	হয়		
জলসিঞ্চনৰ উৎস	ভূগর্ভস্থ পানী	ভূগর্ভস্থ পানী	ভূগর্ভস্থ পানী		

অনুগ্রহ কৰি মন কৰিব যে বতৰ অনুসাৰি শস্যৰ বৃদ্ধি আৰু পৰিপক্কতা ভিন্ন হ'ব পাৰে।

ক্রমিক নম্বৰ	সবিশেষ/কার্য্য/অনুশীলন	কার্যৰ বিৱৰণ, প্রতি একৰ ইনপুট
1	অঞ্চলটোৰ উপযোগীতা/কৃষি জলবায়ু অঞ্চল	এই শস্য খাৰিফ আৰু ৰবি উভয়তে সকলো প্রধান জলবায়ু অঞ্চলত খেতি কৰা হয়, যদিও ৰবি অধিক উপযুক্ত।
2	ভূমি / মাটি	ভালকৈ খালী হোৱা সিল্ট বা লাহীয়া মাটি খেতিৰ বাবে উপযুক্ত। বৰষুণৰ মাজেৰে খেতি কৰাৰ বাবে 6 - 8 ৰ pH থকা মাটি উপযুক্ত।
3	ঋতু/বীজ সিঁচাৰ সময়	শীতল আৰু তুলনামূলকভাৰে শুকান, হিমশীতল বিনা জলবায়ু। জুন - জুলাই আৰু অক্টোবৰ - নৱেম্বৰ
4	বীজৰ হাৰ	4-5 কেজি/বিঘা (জলাশয়ৰ খেতি) 8-10 কেজি/বিঘা (বৰষুণৰ খেতি) বীজবোৰ অধিক বীজানুৰ অনুপাতৰ বাবে বীজ সিঁচাৰ পূৰ্বে দুভাগত বিভক্ত কৰা হয়।
5	মূল পথাৰৰ প্রস্তুতি আৰু ৰোপণ	মূল পথাৰখন ভালকৈ চহাবৰ বাবে সাজু কৰক। অন্তিমবাৰ খেতি কৰাৰ আগতে FYM 10 টন/হেক্টৰ যোগ কৰক। (জলাশয়ৰ বাবে) বিছনা আৰু নলা গঠন কৰা। 20 x 15 ছেঃমিঃৰ ব্যৱধানত বিভাজিত বীজ সিঁচিব লাগে। বীজবোৰ প্রায় 8-15 দিনৰ ভিতৰত বীজ হৈ উঠিব।
6	ব্যৱধান	উদ্ভিদৰ পৰা উদ্ভিদলৈ: 20 x 15 ছেঃমিঃ।
7	বীজ সিঁচাৰ আগতে বীজৰ শোধনীকৰণ	বীজ কেপ্টান (2 গ্রাম/কেজি)ৰ দ্বাৰা শোধন কৰা হয়।
8	সাৰ আৰু সাৰুৱা পদার্থ	মৌলিক FYM 10 টন/হেক্টৰ; 10 কেজি N, 40 কেজি P আৰু 20 কেজি K প্রতি হেক্টৰ। কেৱল জলসিঞ্চিত শস্যৰ বাবে বীজ সিঁচাৰ 30 দিনৰ পিছত 10 কেজি N/হেক্টৰত টপ ড্রেছিং কৰিব পাৰি।
9	জলসিঞ্চনৰ সময়সূচী	প্রথম জলসিঞ্চন বীজ সিঁচাৰ লগে লগে আৰু দ্বিতীয়টো তৃতীয় দিনত আৰু পৰৱর্তী জলসিঞ্চন 7-10 দিনৰ ব্যৱধানত কৰা উচিত।
10	ঘাঁহ কাটি/আন্তঃ-সংস্কৃতি	500 লিটৰ/হেক্টৰত 700 মিলি ফ্লুক্লৰালিন নামৰ এবিধ উদ্ভিদনাশক দ্রব্যৰ প্রাক-উদ্ভৱ স্প্রে কৰক। বীজ সিঁচাৰ 30 দিনৰ পিছত পাতল কৰা হয়। পৰৱর্তী সময়ত প্রয়োজন সাপেক্ষে ঘাঁহ কাটিব লাগে। প্রতিটো পাহাৰত 2 ডাল গছ ৰাখিব।
11	ক্ষুদ্র পুষ্টি/বৃদ্ধি নিয়ন্ত্রক স্প্রে	
12	কীট-পতংগ আৰু ৰোগ নিয়ন্ত্রণ	মাটিত ৰোগ জমা হ'বলৈ নিদিবলৈ শস্যৰ ৰোপণ প্রণালী সলনি কৰক। সংক্রমিত উদ্ভিদ সামগ্রী আঁতৰ কৰি আৰু ধ্বংস কৰি ভাল পথাৰৰ স্বাস্থ্যবিধি সুনিশ্চিত কৰক। পাউডাৰী ম'লদিউ: পাউডাৰী ম'লদিউ নিয়ন্ত্রণৰ বাবে কার্বেনডাজিমৰ 0.1% দ্রৱণ স্প্রে কৰিব পাৰি।
13	শস্য চপোৱা	পাতৰ বাবে গছবোৰ 30-40 দিন বয়স হ'লে উলিয়াই আনিব লাগে।
14	একৰ প্রতি প্রত্যাশিত ফলন	গড় পাতৰ উৎপাদনঃ আদর্শ পৰিস্থিতিত 6-7 টন/হেক্টৰ
17	সংৰক্ষণ	সতেজ ধনীয়া দীর্ঘদিন ধৰি সংৰক্ষণ কৰিবলৈ, ইয়াক ফ্রিজত সামান্য ভেজাল কাগজৰ টাৱেলৰ সৈতে এটা বায়ুপ্রৱাহহীন পাত্রত ৰাখক। এই পদ্ধতিয়ে এক সপ্তাহৰ বাবে আর্দ্রতা আৰু সতেজতা বজাই ৰাখে।
18	নকৰিবা	কলিজাৰ খেতি কৰোতে, অধিক পানী দিয়াটো এৰাই চলক, কিয়নো ই মূল পচা আৰু অন্যান্য ফাংগাছ সমস্যাৰ সৃষ্টি কৰিব পাৰে। তদুপৰি, উচ্চ পটাছিয়াম সাৰ ব্যৱহাৰৰ ফলত পুৱাৰ ফুল ফুলাৰ ফলত পাতৰ সোৱাদ আৰু ফচল প্রভাৱিত হ'ব পাৰে।
19	কৰিবা	
টোকা	ওপৰৰ তথ্যসমূহ সাধাৰণ পৰামর্শৰ বাবেহে দিয়া হৈছে। বিশেষ অঞ্চলৰ সৈতে সম্পর্কিত বিশেষ পৰামর্শৰ বাবে, অনুগ্রহ কৰি আপোনাৰ স্থানীয় ৰাজ্যিক কৃষি বিভাগৰ সৈতে যোগাযোগ কৰক।	
সাৱধানতা	শস্যৰ বৃদ্ধি আৰু উৎপাদন বিভিন্ন কাৰকৰ দ্বাৰা প্রভাৱিত হ'ব পাৰে। সেয়েহে, পৰামর্শৰ বাবে আপোনাৰ স্থানীয় কৃষি বিষয়াৰ সৈতে যোগাযোগ কৰক। নিশ্চিত কৰক যে কেৱল উচ্চ মানৰ সাৰ আৰু কীটনাশক ব্যৱহাৰ কৰা হয়। বীজ, সাৰ আৰু কীটনাশক ঔষধ ক্রয় কৰাৰ বিলবোৰ ৰাখক।	